सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

वजन तो सिर्फ हमारी इच्छाओं का है..!
वर्ना... जिन्दगी तो
बिल्कुल हल्की-फुल्की है...!!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–38 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, गुरुवार 26 फरवरी 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

कोहका की बेटी ने बढ़ाया मान, सेवा कार्यों को मिला सम्मान

CGPSC सिविल जज में समृद्धि जोशी की सफलता, घर वापसी अभियान के लिए इंद्रजीत ने किया सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कोहका भिलाई निवासी जी. एस. जोशी एवं डॉ. राजेश्वरी जोशी की सुपुत्री समृद्धि जोशी ने CGPSC सिविल जज परीक्षा में 32वीं रैंक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर न केवल परिवार बल्कि पूरे कोहका–भिलाई और जिले में हर्ष का माहौल है। समृद्धि जोशी की यह सफलता युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत मानी जा रही है। इस अवसर पर उनसे एवं उनके परिजनों से भेंट कर हार्दिक बधाई दी गई तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए मंगलकामनाएं प्रेषित की गईं।

वहीं दूसरी ओर सामाजिक और धार्मिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए इंद्रजीत सिंह को सम्मानित किया गया। गुरुद्वारा बाबा बुड्ढा साहब में आयोजित कार्यक्रम में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारियों एवं पंजाब से पधारे जत्थेदार बाबा साहेब सिंह द्वारा यूथ सिख सेवा समिति भिलाई के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह का अभिनंदन किया गया।

यह सम्मान उन्हें सिख पंथ के सात श्रद्धालुओं की घर वापसी कराने के सराहनीय कार्य हेतु प्रदान किया गया। उनके सेवा भाव, समर्पण और समाज के प्रति जिम्मेदारी की संगत ने भूरि–भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं समाज के गणमान्यजन उपस्थित रहे।

शिक्षा में उत्कृष्ट उपलब्धि और सामाजिक सेवा के इन दो प्रेरक उदाहरणों ने भिलाई और रायपुर अंचल को एक बार फिर गौरवान्वित किया है।

ई-मेल से हाईकोर्ट और बलौदाबाजार कोर्ट को बम से उड़ाने की मिली धमकी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के न्यायालयों को बम से उड़ाने की धमकियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को एक बार फिर ईमेल के जरिए हाईकोर्ट और बलौदाबाजार जिला एवं सत्र न्यायालय को साइनाइड पॉयजन गैस और आरडीएक्स के इस्तेमाल से उड़ाने की धमकी दी गई। धमकी मिलते ही कोर्ट परिसरों में हड़कंप मच गया और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं।

मिली जानकारी के अनुसार Sunniya_dasan@outloo k.com आईडी से धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ। मेल में 26/11 मुंबई हमले के आतंकी अजमल कसाब और तमिलनाडु के अजीत कुमार का उल्लेख करते हुए हाईकोर्ट को पॉयजन गैस और आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी दी गई। ईमेल मिलते ही न्यायालय प्रशासन ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। एहतियातन कोर्ट परिसर को खाली कराया गया। एसएसपी रजनेश सिंह मौके पर पहुंचे और डॉग स्क्वॉड तथा बम निरोधक दस्ते की टीम ने सघन तलाशी अभियान शुरू किया।

वीर सावरकर को मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में महान क्रांतिकारी, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर की पुण्यतिथि पर उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वीर सावरकर केवल एक स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि दूरदर्शी विचारक, समाज सुधारक, ओजस्वी लेखक–कवि और प्रखर इतिहासकार भी थे। उन्होंने भारतीय स्वाधीनता संग्राम को नई वैचारिक ऊर्जा प्रदान की तथा राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए सावरकर जी का त्याग, संघर्ष और अदम्य साहस भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। कालापानी की अमानवीय यातनाओं के बावजूद उनका राष्ट्र के प्रति समर्पण अडिग रहा। उनका संपूर्ण जीवन देशसेवा, आत्मबल और राष्ट्र गौरव का प्रेरणास्रोत है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वीर सावरकर के विचार आज भी युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। हमें उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह, छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, मुख्यमंत्री के प्रेस अधिकारी आलोक सिंह, राम गर्ग सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह का ऑपरेशन सफल, जल्द लौटेंगे जनता के बीच

राजनांदगाँव। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के स्लिप डिस्क का ऑपरेशन तमिलनाडु के कोयंबटूर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। डॉ. सिंह ने स्वयं ट्वीट कर इसकी जानकारी साझा की और बताया कि वे अब स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। इस दौरान उनकी पत्नी वीणा सिंह और पुत्र अभिषेक सिंह भी उनके साथ मौजूद हैं। डॉक्टरों की निगरानी में कुछ दिन रहने के बाद वे जल्द ही वापस लौटेंगे।

कुल्हीडोंगरी में 165 आदिवासी सदस्यों ने मूल धर्म में की वापसी

विधायक भावना बोहरा बोलीं–यह आत्मगौरव और विकास का संगम

नई दृष्टिबिंदु / कुल्हीडोंगरी (पंडरिया)

वनांचल ग्राम कुल्हीडोंगरी में आयोजित संस्कृति गौरव सम्मेलन एवं अभिनंदन समारोह ने सांस्कृतिक अस्मिता और आत्मगौरव का सशक्त संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान आदिवासी परिवारों के 165 सदस्यों ने अपने मूल धर्म में घर वापसी की। पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सभी परिवारों का पैर पखारकर सम्मान किया गया और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का संकल्प दिलाया गया।

इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि घर वापसी केवल धार्मिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान, सामाजिक एकता और आत्मसम्मान से जुड़ा व्यापक सामाजिक आंदोलन है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज अपनी परंपराओं और मूल संस्कारों से जुड़कर ही सशक्त बन सकता है। विधायक बोहरा ने कहा कि डबल इंजन भाजपा सरकार के विकास कार्यों और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से वनांचल क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन आया है। पारदर्शी विकास, निरंतर संवाद और विश्वास निर्माण के कारण आज जनजातीय परिवार स्वयं आगे बढ़कर अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ रहे हैं।

उन्होंने दोहराया कि सरकार का लक्ष्य है कि वनांचल का हर परिवार शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सम्मानजनक जीवन से जुड़े। कुल्हीडोंगरी का यह आयोजन केवल घर वापसी का नहीं, बल्कि सांस्कृतिक आत्मविश्वास और विकास के समन्वय का प्रतीक है।

कार्यक्रम में आदिवासी समाज के वरिष्ठजन, भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

घर वापसी अभियान को मिल रहा सामाजिक स्वीकार, आत्मसम्मान की ओर लौट रहा समाज

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

प्रदेश में चल रहे घर वापसी अभियान को सामाजिक स्तर पर व्यापक समर्थन मिल रहा है। अभियान से जुड़े पदाधिकारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि लंबे समय से धर्मांतरण के कारण सामाजिक, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक असुरक्षा झेल रहे लोग अब अपने मूल धर्म में लौटकर आत्मसम्मान और सुरक्षा का अनुभव कर रहे हैं।

अभियान से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ताओं के अनुसार, स्थानीय स्तर पर धर्मांतरित लोग स्वयं को समाज से कटा हुआ महसूस करते थे। मूल धर्म में वापसी के बाद उनमें सामाजिक स्वीकार्यता और भावनात्मक संरक्षण की भावना मजबूत हुई है। जिन सामाजिक कारणों से उन्होंने पूर्व में धर्म परिवर्तन किया था, वहां भी उन्हें असमानता और भेदभाव का सामना करना पड़ा, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि मूल धर्म में ही उन्हें सम्मान और संतोष की अनुभूति होती है।

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से भी घर वापसी को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अभियान से जुड़े लोगों का कहना है कि धर्मांतरित व्यक्तियों में गर्व और स्वाभिमान की कमी देखी जाती थी। विदेशी पंथ अपनाने के कारण उनके सामाजिक सम्मान में कमी का भाव बना रहता था, जबकि मूल धर्म में लौटने से आत्मगौरव की भावना पुनः जागृत हुई है। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने यह भी बताया कि सरकारी सामाजिक कल्याण योजनाओं का दायरा बढ़ा है और जागरूक नेतृत्व के कारण इन योजनाओं का लाभ समाज के कमजोर वर्गों तक अधिक प्रभावी रूप से पहुंच रहा है। स्थानीय स्तर पर सिख समाज में जागरूकता बढ़ी है समाज के लोग धर्मांतरित व्यक्तियों को मूल धर्म की ओर प्रेरित कर रहे हैं।

पिछले सात वर्षों से छत्तीसगढ़ सिख पंचायत द्वारा निरंतर धार्मिक एवं सामाजिक उत्कृष्ट आयोजन किए जा रहे हैं। वहीं, बीते एक वर्ष से सिख यूथ सेवा समिति भिलाई आर्थिक, शैक्षणिक और सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों को सहयोग प्रदान कर रही है। इन संगठनों के प्रयासों से कई भटके हुए लोग पुनः घर वापसी की राह पर लौटे हैं। अभियान से जुड़े पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी भी कारणवश जो व्यक्ति भूलवश धर्म परिवर्तन कर चुका है, वह आज भी अपनी समस्याओं के साथ सिख पंथ में वापसी कर सकता है। उसकी मूलभूत समस्याओं को सुना जाएगा और समाधान का हरसंभव प्रयास किया जाएगा। इसके लिए संबंधित व्यक्ति सिख यूथ सेवा समिति या छत्तीसगढ़ सिख पंचायत के पदाधिकारियों से संपर्क कर सकता है। इस अभियान से जुड़े प्रमुख वक्ताओं में इंद्रजीत सिंह छोटू, जसबीर सिंह चहल, मलकीत सिंह एवं गुरुनाम सिंह शामिल हैं।

बैठक कमिश्नर राजीव पाण्डेय भी रहे उपस्थित, 15वें वित्त आयोग के तहत खरीदी का प्रस्ताव

महापौर परिषद में जनहितैषी प्रस्तावों को मिली स्वीकृति

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई के महापौर परिषद की बैठक महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता एवं आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय की उपस्थिति में ली गई। बैठक में प्रमुख रूप से बैकहो लोडर क्रय, सर्विस रोड निर्माण एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रस्ताव को महापौर परिषद के सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

15वें वित्त आयोग के तहत 5 नग बैकहो लोडर क्रय कार्य हेतु मेसर्स जी.के. आटोव्हील प्रा.लि.रायपुर द्वारा प्रस्तुत न्यूनतम दर 25 लाख रूपये प्रति नग के अनुसार कुल 1 करोड़ 25 लाख रूपये मात्र की स्वीकृति सर्वसम्मति से की गयी। जोन–3 अंतर्गत जी.ई.रोड के समानांतर चंद्रा मौर्या टाकिज से नगर निगम जोन–3 कार्यालय के सामने से बजाज शोरूम तक सर्विस रोड निर्माण कार्य हेतु महापौर परिषद् की बैठक में चर्चा कर सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गयी। प्रधानमंत्री आवास योजना सबके लिये आवास मिशन, एएचपी घटक अंतर्गत समय पर 90 प्रतिशत राशि जमा करने वाले हितग्राहियों को 10 प्रतिशत अंशदान गरीबों की सेवा निधि से प्रदान करने विषयक प्रस्तुत किया गया था। किंतु महापौर परिषद् में लिये निर्णय अनुसार इस राशि का उपयोग गरीबो तथा गंदी बस्ती के निवासियों को जलापूर्ति एवं अन्य आवश्यक सेवा प्रदान करने हेतु निर्णय लिया गया।

बैठक में महापौर परिषद के सदस्य लक्ष्मीपति राजू, सीजू एन्थोनी, संदीप निरंकारी, एकांश बंछोर, केशव चैवे, आदित्य सिंह, लालचंद वर्मा, चंद्रशेखर गंवई, रीता सिंह गेरा, नेहा साहू, मालती ठाकुर, अपर आयुक्त राजेन्द्र कुमार दोहरे, जोन आयुक्त येशा लहरे, अमरनाथ दुबे, कार्यपालन अभियंता वेशराम सिन्हा, कुलदीप गुप्ता, लेखाधिकारी चंद्रभूषण साहू, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, उप अभियंता शशिकांत वर्मा, आवास योजना प्रभारी विद्याधर देवांगन, देवराज राजपूत, आंगनबाड़ी परियोजना अधिकारी उपस्थित रहे।

सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच हुए मुठभेड़ में 2 वर्दीधारी नक्सली ढेर

नई दृष्टिबिंदु / बीजापुर

जिले में जांगला क्षेत्र में इंद्रावती नदी के जंगलों में गुरुवार सुबह सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में जवानों ने 2 वर्दीधारी नक्सलियों को ढेर कर दिया है। जिनके शव समेत रछफ इंसास जैसे वेपंस बरामद किया गया है।

बीजापुर एसपी डॉ. जितेंद्र यादव ने पुष्टि की है। नक्सली कमांडर की हत्या, सरेंडर करने की सूचना मिलने पर संगठन ने ही मार डाला एक वांछित माओवादी नेता ने 22 लाख के इनामी कमांडर अन्वेष की कथित तौर पर हत्या कर दी क्योंकि वह ओडिशा पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करना चाहता था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। कंधमाल जिले की पुलिस ने बुधवार को डारिंगबाड़ी पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत पाकरी आरक्षित वन क्षेत्र में अन्वेष उर्फरेनू के क्षत विक्षत शव को कब्जे से निकाला। राज्य के सबसे वांछित नक्सली नेता सुक्रू ने कथित तौर पर अन्वेष की हत्या कर दी।

कंधमाल के पुलिस अधीक्षक (एसपी) हरीश बीसी ने मिडिया को बताया, 'यह पुष्टि हो गई है कि अन्वेष की हत्या सुक्रू और उसके साथियों ने उस समय की जब वह कुछ अन्य माओवादी के साथ ओडिशा पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने की तैयारी कर रहा था। पुलिस ने बताया कि पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के सुकमा निवासी अन्वेष, केकेबीएन (कालाहांडी-कंधमाल-बौध-नयागढ़) डिवीजन का संभागीय समिति सदस्य (डीवीसीएम) और सैन्य प्लाटून कमांडर था, और उसपर 22 लाख रुपये का इनाम था।

कांकेर में डीवीसीएम मासे बारसा का आत्मसर्मपण

कांकेर जिले के छिंदपदर गांव में माओवादी डीवीसीएम मासे बारसा ने एके–47 के साथ पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। वर्ष 2003 से दण्डकारण्य, अबूझमाड़ और उत्तर बस्तर क्षेत्र में सक्रिय रही मासे ने संगठन छोड़कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया।

नारायणपुर के पत्रकार रौशन ठाकुर ने इस आत्मसमर्पण प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने मासे को सुरक्षित जंगल से बाहर लाकर कांकेर एसपी कार्यालय तक पहुंचाया।

विधायक रिकेश के प्रयासों से 43 .4 करोड़ के विकास कार्यों को मिली मंजूरी

वैशाली नगर के लिए ऐतिहासिक दिन : नया निगम भवन, 1000 सीटर ऑडिटोरियम और नंदिनी रोड का होगा कायाकल्प

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के संकल्प के साथ विधायक रिकेश सेन को बड़ी सफलता मिली है। उनके द्वारा प्रेषित प्रस्तावों पर त्वरित अमल करते हुए छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने अधोसंरचना मद से 43.4 करोड़ रुपये के विभिन्न महत्वपूर्ण विकास कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस बड़ी उपलब्धि पर विधायक रिकेश सेन ने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव का आभार व्यक्त किया है।

स्वीकृत कार्यों का विवरण

विधायक रिकेश सेन ने बताया कि नगरीय निकाय अधोसंरचना विकास योजना के अंतर्गत भिलाई के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए नगर निगम भिलाई के सुव्यवस्थित संचालन और जनता की सुविधाओं के लिए नए भव्य कार्यालय भवन निर्माण हेतु 20 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। प्रियदर्शिनी परिसर पश्चिम में सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 15 करोड़ रुपये की लागत से एक अत्याधुनिक 1000 सीटर ऑडिटोरियम का निर्माण किया जाएगा। साथ ही प्रियदर्शिनी परिसर पश्चिम के अंतर्गत पहुँच मार्ग, विद्युतीकरण तथा एकीकृत खेल परिसर हेतु पहुँच मार्ग एवं नाली निर्माण के लिए 5.5 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई है।

यातायात होगा सुगम

विधायक रिकेश ने बताया कि एसीसी चौक से पावर हाउस चौक तक नंदिनी रोड

के चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्य के लिए 2.9 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली है, जिससे यातायात सुगम होगा। वैशाली नगर की जनता से किया हर वायदा मेरा संकल्प है।43.4 करोड़ के ये कार्य भिलाई की तस्वीर बदल देंगे। नया निगम भवन और विशाल ऑडिटोरियम हमारे शहर की नई पहचान बनेंगे।

नागरिकों के जीवन स्तर में भी आएगा बड़ा सुधार

श्री सेन ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव का आभारी हूँ जिन्होंने वैशाली नगर के विकास को प्राथमिकता दी। इन कार्यों के धरातल पर उतरने से न केवल शहर का बुनियादी ढांचा मजबूत होगा, बल्कि स्थानीय नागरिकों के जीवन स्तर में भी बड़ा सुधार आएगा। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि स्वीकृत कार्यों की निविदा प्रक्रिया जल्द पूर्ण कर निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ शुरू कराए जाएं।

खास खबर

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी क्र. 6 रिसाली में हुई कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली

पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू एवं जिलाध्यक्ष मुकेश चंद्राकर के निर्देशानुसार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी क्र. 6 रिसाली के अध्यक्ष दिनेश पटेल द्वारा वार्ड क्रमांक-38, 39 एवं 40 की कांग्रेस कार्यकर्ताओं की संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन विस्तार, आगामी निगम चुनाव की तैयारी, बूथ स्तर एवं वार्ड स्तर पर प्रभावी कार्ययोजना एवं रणनीति निर्माण पर विस्तृत चर्चा की गई। ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश पटेल ने कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया गया कि वे घर-घर संपर्क कर आम जनता को भाजपा की झूठ, दुष्प्रचार एवं भ्रम फैलाने वाली राजनीति से अवगत कराएं।

बैठक में महंगाई, बेरोजगारी एवं जनसमस्याओं पर भी चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि भाजपा सरकार इन ज्वलंत मुद्दों पर गंभीर नहीं है, जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आह्वान किया गया कि वे जनता के बीच जाकर सच्चाई रखें और कांग्रेस की जनहितकारी नीतियों को मजबूती से प्रस्तुत करें। इस अवसर पर शीतल यादव मंडल प्रभारी, श्यामल राव उपाध्यक्ष ब्लॉक-6, रंजीता बेनुआ पार्षद, आशा खंडते, ममता सोनी, हरीश उपाध्याय, रोशन कुमार, रूपा सोना, सीमा राजपूत, शेष गिरी, रामू लहर, पाथी महानंद, पहारूराम, भास्कर राव, राहुल, डी. नारायण सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शहीद कप द्वितीय दिवस : दोनों टीमों के मध्य रहा रोमांचक मुकाबला

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वीर शहीदों की पावन स्मृति में आयोजित शहीद कप के द्वितीय दिवस की शुरुआत राष्ट्रगान एवं अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। यह आयोजन एचएमजीएम के अध्यक्ष लोकेश पांडे की अनुशंसा एवं विनय टंडन के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सभी समाजों के प्रमुख साहू समाज के जिला अध्यक्ष चंद्रभूषण साहू , सतनामी समाज के जिला अध्यक्ष मोतीलाल कोसरे जी तथा भाजपा मंडल अध्यक्ष गौरीशंकर जी भी उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा टॉस करवाकर मैच का विधिवत शुभारंभ किया गया। द्वितीय दिवस में रोमांचक मुकाबला खेला गया। दोनों टीमों ने खेल भावना, उत्साह और अनुशासन के साथ शानदार प्रदर्शन किया।

समिति के सदस्य —रिंकू तिवारी, समीर, रवि, तरुण, आयुष, हितेश, शिवांत, जतिन, शेषु, इनायत, हिमांशु, पलक, बब्बा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में मुख्य अतिथियों द्वारा दोनों टीमों को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की गई। शहीद कप का यह आयोजन उत्साह, सौहार्द और देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत रहा।

स्वच्छ दुर्ग की ओर बड़ा कदम : खटालों से गोबर प्रबंधन पर निगम सख्त निर्णय सड़कों पर गंदगी अब बर्दाश्त

1 मार्च से लागू होगी नई व्यवस्था

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर की स्वच्छता को लेकर बड़ा और सख्त निर्णय लिया गया है। महापौर अलका बाघमार ने खटाल क्षेत्रों में फैल रही गंदगी को गंभीरता से लेते हुए गोबर प्रबंधन के लिए नई व्यवस्था लागू करने की घोषणा की है। महापौर ने स्वास्थ्य विभाग प्रभारी निलेश अग्रवाल, पार्षद गुलाब वर्मा और स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता की उपस्थिति में शहर के सभी खटाल संचालकों की महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में शहर की स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और खटाल क्षेत्रों में व्याप्त गंदगी की समस्या पर विस्तार से चर्चा की गई।

खटाल क्षेत्रों में गंदगी पर जताई नाराजगी

बैठक में सामने आया कि कई खटाल संचालक गोबर को सड़कों एवं सार्वजनिक स्थलों पर रख देते हैं या नालियों में बहा देते हैं, जिससे आसपास के क्षेत्रों में बदबू और गंदगी फैल रही है। नागरिकों की शिकायतों के बाद महापौर ने इस विषय में त्वरित संज्ञान लेते हुए सख्त कदम उठाए हैं। महापौर अलका बाघमार ने स्पष्ट संदेश दिया कि शहर की स्वच्छता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

नियम तोड़ने पर तय है जुर्माना

नई व्यवस्था लागू होने के बाद यदि सड़कों या नालियों में गोबर पाया जाता है तो संबंधित खटाल संचालक पर जुर्माना लगाया जाएगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी संचालकों की होगी। यह नई व्यवस्था 1 मार्च 2026 से प्रभावी होगी। महापौर ने सभी संचालकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि स्वच्छ एवं सुंदर दुर्ग के निर्माण में सभी नागरिकों की सहभागिता आवश्यक है। शहर को स्वच्छ और सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में यह निर्णय एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

प्रतिदिन होगा गोबर का नियमित संग्रहण

निगम ने निर्णय लिया है कि प्रतिदिन एक अधिकृत बैंडर नियुक्त किया जाएगा, जो सभी खटालों से गोबर का नियमित संग्रहण करेगा। सभी खटाल संचालकों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने परिसर में गोबर एकत्रित कर निर्धारित बैंडर को ही सौंपें, ताकि सड़कों और नालियों में गंदगी न फैले।

महापौर शशि सिन्हा ने किया वार्डों का दौरा

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली कि महापौर श्रीमती शशि अशोक सिन्हा का प्रतिदिन अलग-अलग वार्ड का दौरा कर रही है। उनके साथ एमआईसी मेंबर, पार्षद, पूर्व पार्षद और कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ सुबह से वार्ड का भ्रमण कर समस्या से अवगत हो रही है। नगर पालिका निगम रिसाली के अधिकारी इंजिनियर वार्ड के समस्याओं से अवगत हो रहे हैं। साथ ही समस्या का हल भी किया जा रहा। दौरा कार्यक्रम बहुत ही सराहनीय कदम है और आम जनमानस के लिए वार्ड-34 मिनी माता नगर नेवई में बाबा गुरुघासीदास जी से आशीर्वाद लेकर वार्ड भ्रमण प्रारंभ किया गया। जिसमें प्रमुख रुप से पूर्व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मुकुंद कुमार, लोकुमल ओतवानी, बिरेंद्र पाल, एनएसयूआई कांग्रेस से सुरेन्द्र बाघमारे, पूर्व पार्षद चुम्मन देशमुख, राजेन्द्र रजक, एमआईसी मेंबर अनिल देशमुख, जहीर अब्बास, श्रीमती ममता यादव, रोहित धनकर, संजू नेताम, पार्षद राहुल राय, महिला ब्लॉक कांग्रेस कमेटी श्रीमती हेमीन चतुर्वेदी, मनीष साहू, अजय यादव, युवा कांग्रेस से दीपांकर साहू, कांग्रेस के वरिष्ठ गुलाब दास मानिकपुरी, मुन्ना समद के सहयोग से नेवई वार्ड मे भ्रमण कर समस्या से अवगत हुए हैं। इसी प्रकार से हर सुबह अलग-अलग वार्ड मे जाकर भ्रमण कर समस्या से अवगत हो रही है महापौर मैडम साथ ही नगर पालिका निगम रिसाली के अधिकारी गण वार्ड के समस्या को जानकर समस्या के हल किया जा रहा है।

ग्रीन कॉरिडोर से बची जान : घायल युवक को 40 मिनट में रायपुर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सिर में गंभीर चोट से घायल एक युवक को जीवनरक्षक उपचार उपलब्ध कराने के लिए यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा त्वरित कारवाई करते हुए ग्रीन कॉरिडोर निर्मित किया गया। श्री शंकरा हॉस्पिटल, जुनवानी से रामकृष्ण हॉस्पिटल, रायपुर तक एंबुलेंस को निर्बाध मार्ग उपलब्ध कराया गया, जिससे मरीज को लगभग 40 मिनट में सुरक्षित रूप से रायपुर पहुँचाया जा सका।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 24 फरवरी 2026 को यातायात पुलिस दुर्ग को सूचना मिली कि एक युवक को गंभीर अवस्था में श्री शंकरा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकीय परीक्षण के बाद हालत नाजुक पाते हुए उसे उन्नत उपचार के लिए रामकृष्ण हॉस्पिटल रेफर किया गया।

सूचना मिलते ही यातायात पुलिस ने तत्काल रणनीति बनाकर ग्रीन कॉरिडोर तैयार किया। मार्ग में पड़ने वाले प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस बल की विशेष तैनाती की गई तथा आवश्यकतानुसार यातायात को डायवर्ट किया गया। वायरलेस संचार के माध्यम से एंबुलेंस की सतत मॉनिटरिंग की गई, जिससे उसे बिना किसी अवरोध तेज और सुरक्षित मार्ग मिल सका। समन्वित प्रयासों के चलते एंबुलेंस निर्धारित समय में रायपुर पहुँची, जहाँ मरीज का उपचार जारी है।

इस मानवीय पहल में यातायात थाना प्रभारी सहित ड्यूटी पर तैनात सभी अधिकारी-कर्मचारियों ने त्वरित समन्वय और प्रभावी यातायात प्रबंधन का परिचय दिया। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि आपातकालीन स्थितियों में एंबुलेंस को प्राथमिकता दें, मार्ग खाली रखें और यातायात नियमों का पालन करें, ताकि जीवनरक्षक सेवाएँ समय पर गंतव्य तक पहुँच सकें।

कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न और अनैतिक व्यापार पर एक दिवसीय कार्यशाला आज

दुर्ग। महिलाओं और बच्चों के कानूनी अधिकारों के संरक्षण के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 26 फरवरी 2026 को एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया है। यह कार्यशाला महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम 2013, शी-बॉक्स पोर्टल और अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम, 1956 पर आधारित होगी। कार्यशाला दोपहर 12 बजे प्रेरणा सभाकक्ष, कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग में आयोजित की गई है। उक्त कार्यशाला के द्वारा विभागीय अधिकारियों, अशासकीय संस्थानों के प्रतिनिधियों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों के कर्मचारियों को जागरूक करना और उनके कानूनी दायित्वों के प्रति प्रशिक्षण प्रदान करना है।

माहे रमजान के दिन-रात बीत रहे खास इबादत में, रोजा रखने के साथ बदली दिनचर्या

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

माहे रमजान जारी है और इन दिनों रोजेदारों की दिनचर्या भी बदल गई है। रोजा रखते हुए खास इबादत में लोग डूबे हैं। रोजाना सहरी के वक्त सुबह उठने से लेकर शाम को इफ्तार और रात में विशेष नमाज तरावीह में लोग अपनी भागीदारी दे रहे हैं। रमजान के इस खास महीने की अजमत को देखते हुए लोग इबादत के साथ-साथ दूसरी तैयारियों में भी व्यस्त हैं।मस्जिदों में नमाजियों की तादाद बढ़ गई है, वहीं अफ्तार के वक्त लोग एक साथ रोजा खोलने जुट रहे हैं।

मस्जिद आशणा हाउसिंग बोर्ड भिलाई के इमाम व खतीब मौलाना सैय्यद फैसल अमीन कहते हैं कहा कि इसी महीने में अल्लाह ने अपने आखिरी नबी हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहो अलैहिस्सलाम पर पवित्र कुरान नाजिल की और इसे तेइस साल में पूरा किया गया। इस महीने के रोजों को फर्ज किया गया। मुफ्ती मोहम्मद सोहेल काजी दारूल कजा भिलाई कहते हैं रोजा पाबंदी से रखना चाहिए क्योंकि यह हर बालिग मर्द और औरतें पर फर्ज है। अगर कोई बीमार है या सफर में है तो उसको कुछ छूट है लेकिन बाद में उसकी भरपाई जरूर करे। जब बीमार सेहतमंद हो जाए और मुसाफिर अपने मुकाम पर पहुंच जाए।

शेखुल हदीस मौलाना जकरिया रहमतुल्लाह अलैहि ने अपने रिसाले फजाईले रमजान मुबारक मे लिखा है कि खुदा की तरफ से अपने बंदों पर रमजान बहुत बड़ा इनाम है। इस महीने में खुद रोजा रखे ,अहकामे

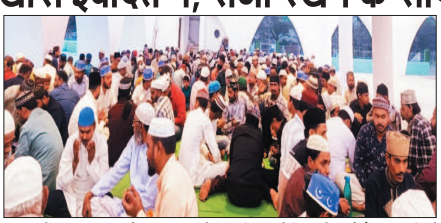

खुदावन्दी पूरा पूरा अदा करें। पांच वक्त की नमाज पढ़ने के साथ तिलावत कुरान करें जो सारे इंसानियत के लिए हिदायत (सीधा रास्ता) बताने वाली है। मदरसा ताज उल उलूम रूआबांधा भिलाई के प्रिंसिपल मुहम्मद शाहिद अली मिस्बाही कहते हैं रमजान सिर्फ. रोजा रखने का नाम नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि, सब्र की परीक्षा और इंसानियत की सेवा का महीना है।

यह महीना हमें अपने रब से जुड़ने, अपने दिल को साफ करने और समाज के कमजोर तबकों के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संदेश देता है। रमजान का असली पैग़ाम सब्र है। दिन भर की भूख-प्यास इंसान को यह एहसास दिलाती है कि समाज में कितने लोग ऐसे हैं जो रोजाना इसी हालात से गुजरते हैं। जब इंसान खुद भूखा रहता है तो उसे गरीब और जरूरतमंद लोगों का दर्द समझ में आता है। यही एहसास उसे दूसरों की मदद के लिए प्रेरित करता है।

इस महीने में जकात, सदका और फितरा देने की खास हिदायत है, ताकि समाज में आर्थिक संतुलन बना रहे और कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए।रमजान रहमत और बरकत का महीना है। इस महीने में की गई इबादतों का सवाब कई गुना बढ़ा दिया जाता है।

एसटीएफ मुख्यालय में गूंजे 'भारत माता की जय' के नारे, स्वामी परमहंस प्रज्ञानंद महाराज ने जवानों में भरा राष्ट्रभक्ति का जोश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के बघेरा स्थित राज्य मुख्यालय में आयोजित विशेष कार्यक्रम के दौरान भारत माता की जय के नारों के साथ जवानों में राष्ट्रभक्ति और कर्तव्यबोध का संचार हुआ। अवसर पर क्रियायोग के विश्वगुरु स्वामी परमहंस प्रज्ञानंद महाराज ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि जिस देश के सैनिकों और युवाओं में राष्ट्र के प्रति समर्पण और राष्ट्रभक्ति प्रबल होती है, वही देश चहुंमुखी विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ता है।

स्वामी जी ने कहा कि जवानों के समर्पण से ही देश की आंतरिक और बाह्य सुरक्षा सुदृढ़ रहती है, जिससे राष्ट्र प्रगति करता है। उन्होंने कहा कि आज हम आजाद हैं तो इसका श्रेय हमारे सैनिकों और तत्कालीन क्रांतिकारियों के त्याग व बलिदान को जाता है। द्वितीय विश्व युद्ध का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस और उनकी आजाद हिंद फौज का भी स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अंग्रेजी सेना में शामिल लाखों भारतीय सैनिकों की भूमिका ने ब्रिटिश हुकूमत को भारत छोड़ने के लिए मजबूर किया।

स्वामी परमहंस प्रज्ञानंद महाराज ने कहा कि सैनिक सीमाओं पर देश के शत्रुओं से लड़ते हैं, वहीं योग और साधना के माध्यम से हम शरीर के भीतर के शत्रुओं—काम, क्रोध, लोभ, मोह और वासना—को नियंत्रित करने का कार्य करते हैं। उन्होंने योग, प्राणायाम और साधना को मानसिक स्थिरता और ऊर्जा का स्रोत बताया।

उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और ईमानदारी को देश के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक बताते हुए कहा कि जैसे शरीर के लिए योग जरूरी है, वैसे ही राष्ट्र के लिए स्वच्छ वातावरण और कर्तव्यनिष्ठा अनिवार्य है। उन्होंने मन की चंचलता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्वास नियंत्रण और योग से मन को साधा जा सकता है, और जब मन सधा होता है तो परिस्थितियाँ भी नियंत्रण में रहती हैं।

इस अवसर पर एसटीएफ के उप पुलिस अधीक्षक मारोती जगने ने बटालियन की जानकारी देते हुए बताया कि एसटीएफ का गठन वर्ष 2007 में नक्सल उन्मूलन के उद्देश्य से किया गया था। उन्होंने बताया कि बटालियन में लगभग 2400 अधिकारी-कर्मचारी कार्यरत हैं और अब तक 597 नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि एसटीएफ को अब तक 2 कीर्ति चक्र, 3 राष्ट्रपति पदक सहित गृह मंत्रालय द्वारा अनेक सम्मान प्राप्त हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि स्वामी परमहंस प्रज्ञानंद महाराज इन दिनों चोपड़ा पैलेस में आयोजित पांच दिवसीय विशेष साधना एवं क्रियायोग शिविर में भाग लेने दुर्ग आए हुए हैं। शिविर के तीसरे दिन उन्होंने लगभग 160 नए शिष्यों को दीक्षा भी प्रदान की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में एसटीएफ के जवान एवं क्रियायोगी उपस्थित रहे।

बजट में किसानों, मजदूरों और मिडिल क्लास के लिए कुछ भी नही : ताम्रध्वज

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पेश किए गए बजट पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तेज हो गई हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने बजट को 'बेहद अस्पष्ट' करार देते हुए सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह बजट किसानों, मजदूरों, युवाओं और शहर के मध्यम वर्ग की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरता।

साहू ने कहा, इस बजट में खेतिहर किसानों, मजदूरों और शहरी मध्यम वर्ग के लिए कोई ठोस प्रावधान नहीं है। रोजगार सृजन, शिक्षा, सिंचाई और युवाओं से जुड़े महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर चुप्पी साध ली गई है। उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि कई घोषणाएं केवल कागजों तक सीमित हैं और जमीनी स्तर पर इनका कोई असर नजर नहीं दिखाई देता।

पूर्व गृहमंत्री ने सरकार के पुराने वादों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पूर्व में किए वादों जैसे रोजगार सृजन, सरकारी भर्तियां और युवाओं के लिए योजनाओं पर अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गयी है। लोगों की बेरोजगारी बढ़ रही है, लेकिन बजट में इसका कोई समाधान नहीं दिखता।

रेडक्रॉस सभाकक्ष में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने ली डाक सेवकों की समीक्षा बैठक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कलेक्टर डॉ. सिंह ने डाक सेवकों को निर्देशित करते हुए कहा कि आप सभी रोजाना अपने डाक घरों में 0 से 05 वर्ष की आयु के बच्चों का आधार कार्ड बनाने का लक्ष्य 25 से अधिक रखें ताकि सभी बच्चों का आधार कार्ड जल्द से जल्द बन सके एवं आप सभी अपनी डेली मॉनिटरिंग रिपोर्ट भेजें। डाक सेवक यह सुनिश्चित करें कि शासन की इस महत्वकांशी योजना का लाभ हर नागरिक को मिले।

कलेक्टर ने परिजनों से आग्रह किया कि जिनके बच्चों की उम्र 0 से 05 वर्ष की है वे 31 मार्च से पूर्व निःशुल्क रूप से अपने बच्चों का आधार कार्ड बनवालें, मार्च 2026 के बाद यूआईडीएआई द्वारा आधार कार्ड बनाने पर शुल्क लिया जाएगा। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री शैल ठाकुर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

शासकीय उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण, कारण बताओ नोटिस जारी

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार नगर निगम उपायुक्त श्रीमती अंजली शर्मा ने धरसीवां ब्लॉक के ग्राम पंचायत तिवरैया स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दुकान में वितरण व्यवस्था, स्टॉक स्थिति एवं रिकॉर्ड संधारण की जांच की गई।

निरीक्षण में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। उपायुक्त ने स्टॉक रजिस्टर, वितरण पंजी एवं

उपलब्ध खाद्यान्न सामग्री का मिलान किया तथा शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को समय पर एवं पूर्ण मात्रा में खाद्यान्न उपलब्ध कराना अनिवार्य है। किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता या रिकॉर्ड में विसंगति पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने तथा पारदर्शी वितरण प्रणाली बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि हितग्राहियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

विद्यालय का जिला पंचायत सीईओ ने किया औचक निरीक्षण

शासकीय व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने और शैक्षणिक गुणवत्ता की जांच के उद्देश्य से कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के निर्देश पर जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन ने पीएम श्री शासकीय अरुंधती देवी उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिंदी उच्चतर माध्यमिक स्कूल, आरंग की बुनियादी सुविधाओं से लेकर शैक्षणिक स्तर तक कुल 21 बिंदुओं पर सघन जांच की और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

विद्यार्थियों की कक्षावार प्रगति और शिक्षकों के एकेडमिक व्यवस्था,जिला एवं राज्य स्तर पर विद्यार्थियों का प्रदर्शन और खेलकूद गतिविधियां, स्कूल में संचालित 'करियर गाइडेंस प्रोग्राम' की प्रभावशीलता आदि पर फोकस किया गया। सीईओ ने शाला प्रबंधन के संबंध में स्पष्ट कहा कि केवल पढ़ाई ही नहीं अपितु बुनियादी सुविधाएं ,स्वच्छता एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान दे तथा कैरियर गाइडेंस जैसे महत्वपूर्ण प्रोग्राम को और व्यवहारिक बनाने की बात कही। डीईओ हिमांशु भारती ने परीक्षा परिणाम की समीक्षा करते हुए कमजोर बच्चों पर विशेष ध्यान देने की बात कही तथा शासन की गाइड लाइन के अनुसार बेहतर कार्य करने को निर्देशित किया। इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी दिनेश शर्मा, प्राचार्य सहित स्टॉफ उपस्थित थे।

खास खबर

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने भाठागांव यूको बैंक शाखा का किया शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बुधवार को रायपुर के भाठागांव में यूको बैंक की 63वीं शाखा का शुभारंभ किया। भाठागांव में शिंदेश्वरी देवी मंदिर के समीप स्थित इस शाखा के उद्घाटन अवसर पर उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश में बैंकिंग सेवाओं का विस्तार राज्य की आर्थिक सशक्तता और वित्तीय समावेशन को नई दिशा देगा।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई शाखा से भाठागांव एवं आसपास के क्षेत्र के नागरिकों, व्यापारियों और युवाओं को सहज एवं सुलभ बैंकिंग सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि यूको बैंक द्वारा जनहितकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने बैंक प्रबंधन एवं अधिकारियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में अंचल प्रमुख वीणा कुमारी, उप अंचल प्रमुख अमोल बी. भंडारे सहित बैंक के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में भविष्य की योजनाओं पर अर्धदिवसीय सेमिनार का हुआ आयोजन

रायपुर। छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण (सीबीडीए) द्वारा छत्तीसगढ़ को ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने तथा ग्लोबल क्लीन एनर्जी के विस्तार के उद्देश्य से अर्धदिवसीय सेमिनार का आयोजन कोर्टयार्ड बाय मैरियट में किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के ऊर्जा विभाग के सचिव रोहित यादव (आईएएस) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

सचिव रोहित यादव ने कहा कि सेमिनार का उद्देश्य राज्य के औद्योगिक परिवेश में ग्रीन हाइड्रोजन के उपयोग को बढ़ावा देना तथा पारंपरिक औद्योगिक ईंधनों के स्थान पर स्वच्छ विकल्पों को अपनाने की दिशा में कार्य करना है। उन्होंने बताया कि बायोमास आधारित ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन की संभावनाओं को देखते हुए इसे प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे जैविक खेती को बढ़ावा मिलने के साथ किसानों की आय में भी वृद्धि हो सकेगी। सेमिनार में चर्चा के दौरान बताया गया कि छत्तीसगढ़ में कृषि अवशेष, डेयरी उद्योग से उत्पन्न अपशिष्ट, फल एवं सब्जी मंडियों का जैविक कचरा तथा गोबर प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। उपयुक्त तकनीक के माध्यम से इनके प्रसंस्करण द्वारा बड़े पैमाने पर ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन की व्यापक संभावनाएँ मौजूद हैं।

राज्य में स्टील एवं स्पंज आयरन उद्योग का मजबूत आधार रायपुर और उसके आसपास के क्षेत्र जैसे उरला, सिलतरा, भिलाई तथा रायगढ़ के औद्योगिक क्षेत्रों में है। इसके अतिरिक्त जगदलपुर एवं बस्तर में भी औद्योगिक इकाइयाँ स्थापित हैं। इन क्षेत्रों में ग्रीन हाइड्रोजन के उपयोग से औद्योगिक डिकार्बोनाइजेशन को बढ़ावा मिलेगा तथा राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित पर्यावरणीय लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायता मिलेगी। ग्रीन हाइड्रोजन को औद्योगिक ईंधन के रूप में अपनाने से दोहरे लाभ होंगे—एक ओर स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा, वहीं बायोमास के मूल्य संवर्धन से किसानों की आय में वृद्धि होगी। यह पहल भारत की ऊर्जा सुरक्षा, अपशिष्ट से आय सृजन तथा नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होगी।

उप मुख्यमंत्री ने केमिस्ट के पद पर चयनितों को सौंपे नियुक्ति पत्र

स्वच्छ व सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग प्रतिबद्ध-अरुण साव

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में केमिस्ट के पद पर चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने आज नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर स्थित अपने कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में 10 चयनितों को नियुक्ति पत्र सौंपा। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव श्री मोहम्मद कैसर अब्दुलहक और प्रमुख अभियंता श्री ओंकेश चंद्रवंशी भी इस दौरान मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव ने नव नियुक्त केमिस्टों को संबोधित करते हुए कहा कि केमिस्टों की संख्या बढ़ने से विभागीय जल परीक्षण प्रयोगशालाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी तथा मैदानी स्तर पर जल की गुणवत्ता की जांच में सहूलियत होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता और प्रतिबद्धता है। इन नियुक्तियों से विभाग में तकनीकी रूप से दक्ष मानव संसाधन की संख्या बढ़ी है।

श्री साव ने कहा कि पारदर्शी और निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया से प्रदेश के युवाओं में विश्वास और उत्साह बढ़ा है। युवाओं को उनकी मेहनत और प्रतिभा का उचित प्रतिफल मिल रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि नवनियुक्त सभी केमिस्ट पूर्ण निष्ठा, अनुशासन और सेवा-भाव के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे तथा विभागीय लक्ष्यों की प्राप्ति में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि जल गुणवत्ता की निगरानी में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रयोगशालाओं की कार्यप्रणाली को आधुनिक एवं परिणाममुखी बनाया जाएगा। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता ओंकेश चंद्रवंशी ने बताया कि विभाग द्वारा स्वीकृत केमिस्ट के 12 पदों पर व्यापम के माध्यम से चयन प्रक्रिया संपन्न की गई थी। दस्तावेज परीक्षण में 11 अभ्यर्थी पात्र पाए गए, जबकि एक अभ्यर्थी अनुपस्थित रहा। चयनित 11 अभ्यर्थियों में 2 महिला एवं 9 पुरुष अभ्यर्थी शामिल हैं।

जेलपारा एनीकट और टेंगापाली वितरक के कार्यों के लिए 8.19 करोड़ रुपए स्वीकृत

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा रायगढ़ जिले के अंतर्गत केलो नदी पर दो सिंचाई योजनाओं के कार्यों के लिए 8 करोड़ 19 लाख 64 हजार रुपए स्वीकृत किए गए है। स्वीकृत कार्यों में विकासखण्ड-रायगढ़ अंतर्गत केलो नदी पर जेलपारा एनीकट के जीणोद्धार कार्य के लिए 3 करोड़ 85 लाख 79 हजार रुपए स्वीकृत किए है। प्रस्तावित कार्य से एनीकट का मरम्मत एवं समस्त क्षतिग्रस्त गेट का पुर्ननिर्माण कराया जाना प्रस्तावित है। विकासखण्ड-पुसौर के अंतर्गत केलो परियोजना के टंगापाली विरतक नहर के कांक्रीट लाईनिंग कार्य के लिए 4 करोड़ 33 लाख 85 हजार रुपए स्वीकृत किए गए है। योजना के कार्यों के पूरा हो जाने पर योजना की रूपांकित सिंचाई क्षेत्र 1151 .53 हेक्टेयर में 258 .53 हेक्टेयर की हो रही कमी की पूर्ति सहित पूर्ण रूपांकित क्षेत्र में सिंचाई सुविधा होगी।

डूंडा में करीब 50 करोड़ मूल्य की जमीन को कराया गया मुक्त

अभियान

टीम प्रहरी द्वारा की जा रही निरंतर कार्रवाई

329 स्थानों पर अवैध प्लाटिंग सहित 675 प्रमुख स्थानों पर की गई सख्त कार्यवाही

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

टीम प्रहरी द्वारा रोजाना राजधानी की प्रमुख सड़कों पर अतिक्रमण हटाने, अवैध प्लॉटिंग एवं यातायात व्यवस्थित करने के लिए कार्रवाई की जाती है। रायपुर शहर में अब तक 329 स्थानों पर अवैध प्लाटिंग की शिकायतों पर जिला प्रशासन द्वारा कार्यवाही की गयी है। अब तक शहर के 675 प्रमुख स्थानों पर कार्यवाही की जा चुकी है एवं नियमों का उल्लंघन करने वालों पर 65 लाख रूपये से अधिक का जुर्माना भी लगाया जा चुका है।

टीम प्रहरी द्वारा मालवीय रोड तेलीबांधा रोड, संतोषी नगर चौक, पचपेड़ी नाका चौक, गौरव पथ, एन.आई.टी. कॉलेज के सामने, टाटीबंध, समता कालोनी, लालपुर चौक, अम्लीडीह मार्ग, तेलीबांधा चौक से मरीन ड्राइव चौक तक, जेल रोड फाफाडीह चौक, मौदहापारा, घड़ी चौक, जयस्तंभ चौक, विधानसभा एवं अवंति विहार मुख्य मार्ग सहित अन्य स्थानों पर जाकर अतिक्रमण हटाने एवं रायपुर में अवैध निर्माण पर रोकथाम की कार्यवाही करते हैं।

हाल ही में सेक्टर-10 डूंडा क्षेत्र में आर.डी.ए. की 26 एकड़ भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया, जिसका अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य लगभग 50 करोड़ रूपये है। यह भूमि पुनः रायपुर विकास प्राधिकरण को वापस सौंप दी गयी है।

उल्लेखनीय है मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशन में जिला प्रशासन रायपुर द्वारा 25 जनवरी 2025 को ह्यटीम प्रहरीह्व की शुरूआत की गई थी। जिसका उद्देश्य शहर में यातायात व्यवस्था और अवैध अतिक्रमण को हटाना है। इस टीम में रायपुर नगर पालिक निगम के 30 पुरुष एवं 20 महिला सदस्य, जिला प्रशासन के 05 अधिकारी, पुलिस विभाग के 15 जवान और यातायात विभाग के 10 अधिकारी शामिल हैं।

नवाचार देख उत्साहित हुई दीदियाँ, एक्सपोजर विजिट में सीखीं इंटीग्रेटेड फार्मिंग की बारीकियां

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में आजीविका के नए आयाम गढ़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बिलासपुर जिले के बिल्हा ब्लॉक से आए 50 सदस्यीय दल ने बस्तर जिले का दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण किया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत आयोजित इस एक्सपोजर विजिट का मुख्य उद्देश्य बस्तर के जगदलपुर, लोहंडीगुड़ा और तोकापाल ब्लॉकों में संचालित सफल कृषि और पशुपालन मॉडल्स का गहन अध्ययन करना था।

इस भ्रमण कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत जनपद पंचायत के सभागार में आयोजित एक विस्तृत तकनीकी सत्र से हुई, जहाँ पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर के क्रियान्वयन, किसानों के चयन की वैज्ञानिक प्रक्रिया और भविष्य की

कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान बिलासपुर से आए प्रतिभागियों, समूह सदस्यों और कार्यालय स्टाफ को उप-समिति के कार्यों के साथ-साथ आजीविका सेवा केंद्रों द्वारा महिला किसानों को दिए जा रहे तकनीकी सहयोग की जानकारी दी गई, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि कैसे एक व्यवस्थित कार्ययोजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बना सकती है।

सैद्धांतिक जानकारी प्राप्त करने के पश्चात दल ने क्षेत्र का भ्रमण कर जमीनी स्तर पर संचालित गतिविधियों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। सदस्यों ने विशेष रूप से ब्रूडिंग सेंटर और उन्नत मुर्गी पालन की बारीकियों को समझा, जिसमें मुर्गियों के आहार प्रबंधन से लेकर टीकाकरण की महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसके साथ ही दल ने क्लस्टर के भीतर मछली पालन और बकरी पालन जैसे आजीविका के पूरक माध्यमों का भी अध्ययन किया।

भ्रमण के दौरान बस्तर की दीदियों द्वारा अपनाई गई उन्नत सब्जी उत्पादन तकनीक, नर्सरी प्रबंधन और कीट-रोग नियंत्रण के तरीकों ने बिलासपुर के दल को खासा प्रभावित किया। केवल उत्पादन ही नहीं, बल्कि कटाई के बाद होने वाली ग्रेडिंग, पैकेजिंग और स्थानीय मंडियों के माध्यम से सीधे बाजार से जुड़कर बेहतर मूल्य प्राप्त करने की रणनीति भी साझा की गई।

बस्तर की दीदियों के द्वारा बुक्स ऑफ रिकॉर्ड के सटीक संधारण और उनके आत्मविश्वास ने आगंतुक दल के भीतर एक नया उत्साह भर दिया। 24 से 25 फरवरी तक आयोजित यह दो दिवसीय दौरा न केवल ज्ञानवर्धन का माध्यम बना, बल्कि दो अलग-अलग जिलों के महिला समूहों के बीच तकनीकी कौशल और अनुभवों को साझा करने का एक सशक्त मंच भी साबित हुआ। इस पूरी यात्रा ने प्रतिभागियों को यह विश्वास दिलाया कि समेकित खेती और आधुनिक मार्केटिंग के तालमेल से ग्रामीण जीवन में आर्थिक समृद्धि के नए द्वार खोले जा सकते हैं।

पहल

कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने पुनर्वास केंद्र में वितरित किए 5जी स्मार्टफोन और मेसन किट

नवजीवन की ओर बढ़ते कदम : पुनर्वास नीति से बदली तकदीर व तस्वीर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन की मानवीय, संवेदनशील एवं दूरदर्शी पुनर्वास नीति नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन की नई इबारत लिख रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशा अनुरूप जिला प्रशासन सुकमा द्वारा आत्मसमर्पित माओवादियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सतत पहल की जा रही है।

जिला मुख्यालय सुकमा स्थित नक्सल पुनर्वास केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में 70 आत्मसमर्पित युवाओं को अत्याधुनिक 5जी स्मार्टफोन तथा 31 युवाओं को रोजगारोन्मुख मेसन (राजमिस्त्री) किट वितरित की गई। कार्यक्रम कलेक्टर अमित कुमार, पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकुंद ठाकुर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अधिकारियों ने पुनर्वासित युवाओं से आत्मीय संवाद स्थापित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

जिला प्रशासन का कहना है कि पुनर्वास केवल आत्मसमर्पण तक सीमित नहीं है, बल्कि आत्मनिर्भरता, सम्मानजनक जीवन और स्थायी आजीविका से जुड़ा समग्र प्रयास

है। इसी सोच के अनुरूप 70 युवाओं को सैमसंग गैलेक्सी 5जी स्मार्टफोन प्रदान किए गए।50 मेगापिक्सल डुअल कैमरा एवं 5000 मेगाहर्ज फास्ट चार्जिंग बैटरी जैसी आधुनिक सुविधाओं से युक्त ये स्मार्टफोन युवाओं को डिजिटल शिक्षा, ऑनलाइन प्रशिक्षण, कौशल विकास कार्यक्रमों एवं शासकीय योजनाओं की जानकारी से सीधे जोड़ने में सहायक होंगे। साथ ही 31 युवाओं को मेसन किट उपलब्ध कराकर उन्हें निर्माण कार्यों में रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त किया गया है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें।

कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल आत्मसमर्पण सुनिश्चित करना नहीं, बल्कि इन युवाओं को सम्मानजनक एवं सुरक्षित जीवन उपलब्ध कराना है। पुनर्वास केंद्र के माध्यम से उन्हें कौशल प्रशिक्षण, शिक्षा एवं रोजगार के अवसरों से जोड़ा जा रहा है, ताकि वे समाज की मुख्यधारा में सशक्त रूप से आगे बढ़ सकें।

प्रतापगिरी, तोंगपाल निवासी श्री भीमा ने बताया कि लगभग 15 वर्षों तक नक्सल संगठन से जुड़े रहने के बाद पुनर्वास का निर्णय उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय सिद्ध हुआ है। पुनर्वास केंद्र में उन्हें आवास, भोजन एवं प्रशिक्षण की समुचित सुविधा मिल रही है तथा वे राजमिस्त्री का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। स्मार्टफोन मिलने से वे डिजिटल माध्यम से नई जानकारियां प्राप्त कर सकेंगे।

सिंचनपारा, बड़े सेटी निवासी श्री बुधरा ने भी पुनर्वास केंद्र की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यहां का जीवन सुरक्षित एवं सम्मानजनक है। प्रशासन द्वारा उन्हें मोबाइल, मेसन किट के साथ-साथ आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड एवं जॉब कार्ड भी प्रदान किया गया है। किसी भी तरह कि समस्या आने पर जिला प्रशासन द्वारा त्वरित समाधान किया जाता है। छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास नीति केवल एक प्रशासनिक पहल नहीं, बल्कि विश्वास, विकास एवं सामाजिक समरसता की सशक्त मिसाल बनी है।

शासन की योजना : चिरायु दल ने लौटाई मासूम रंजना की मुस्कान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम व चिरायु योजना में शून्य से 18 वर्ष तक की आयु के बच्चों में जन्मजात हृदय रोग, मोतियाबिंद, कटेफटे होट, टेढ़ेमेढ़े हाथ-पैर समेत 44 की गंभीर बीमारियों के इलाज का पूरा खर्च शासन द्वारा उठाया जाता है। स्वास्थ्य विभाग का चिरायु दल बच्चों की स्क्रीनिंग कर शासन को रिपोर्ट भेजता हैं, जिसके आधार पर बच्चों के इलाज के लिए फंड जारी होता है। ऐसे पात्र बच्चे जिनका इलाज निःशुल्क किया जाना है '

बस्तर जिले के बकावण्ड ब्लॉक के ग्राम जामगुड़ा (धनपुर) में रहने वाले महेश भारती के घर जब बेटी रंजना का जन्म हुआ, तो खुशियों के साथ-साथ एक गहरी चिंता ने भी दस्तक दी। मासूम रंजना जन्मजात कलेफट लिप (कटे होंठ) की समस्या से ग्रसित थी। जैसे-जैसे रंजना बड़ी हो रही थी, माता-पिता के मन में अपनी बेटी के भविष्य, उसकी पढ़ाई और समाज में उसे मिलने वाली स्वीकार्यता को लेकर डर गहराता जा रहा था। सबसे बड़ी चुनौती आर्थिक तंगी थी। एक साधारण परिवार के लिए निजी अस्पतालों में ऑपरेशन का भारी-भरकम खर्च उठा पाना असंभव सा था, जिससे माता-पिता स्वयं को असहाय महसूस कर रहे थे।

महेश भारती की इस मायूसी के बीच उम्मीद की पहली किरण 19 जून 2025 को तब जगी, जब चिरायु दल बकावण्ड की टीम आँगनबाड़ी केंद्र पहुँची। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान टीम ने रंजना की स्थिति को पहचाना और माता-पिता को ढांढस बंधाते हुए उसे जिला प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र रेफर किया। इसके बाद की राह जिला स्वास्थ्य समिति के सहयोग से आसान होती गई। 06 नवंबर 2025 को बच्ची को रायपुर के मेडिसाईन अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ विशेषज्ञों ने रंजना का सफल ऑपरेशन किया।

संपादकीय

आर्थिक सर्वेक्षण से सरकार की सफलता का पता चलता है

हर बजट के पहले सरकार आर्थिक सर्वेक्षण पेश करती है ताकि राज्य के लोगों को पता चले कि सरकार ने पिछले एक साल क्या कुछ किया है, क्या कुछ बेहतर किया है। उससे राज्य का विकास पहले से ज्यादा हुआ है या नहीं, उससे लोगों की आय पहले से ज्यादा बढ़ी है या नहीं। हर क्षेत्र की विकास दर पहले से ज्यादा हुई है या नहीं। लोगों को जीवन स्तर और ऊंचा उठा है या नहीं। लोगों को पहले से ज्यादा सुविधाएं मिल रही हैं या नहीं। इस हिसाब से देखा जाए तो छत्तीसगढ़ आर्थिक सर्वेक्षण से पता चलता है कि पिछले साल की तुलना में प्रति व्यक्ति आय बढ़ी है,इससे राज्य के लोगों की आर्थिक स्थिति सुधरी है। राज्य की जीडीपी बढ़ी है, इससे पता चलता है कि राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत है। राज्य निरंतर आर्थिक प्रगति,संरचनात्मक सुधार के साथ समावेशी विकास पथ पर अग्रसर है। कृषि,उद्योग व सेवा क्षेत्र का संतुलित विकास हो रहा है। राजकोषीय अनुशासन, बुनियादी ढांचे के विस्तार और डिजिटल शासन से विकास की गति पहले की अपेक्षा तेज हुई है।

विधानसभा में पेश आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार राज्य की अर्थव्यवस्था पहले से मजबूत है। इससे राज्य के सामने अर्थव्यवस्था की एक सकारात्मक तस्वीर पेश हुई है।वर्ष 25-26 में जीएसडीपी 11.57 प्रतिशत बढ़कर 6.11 लाख करोड़ पहुंचने के संकेत हैं। छत्तीसगढ़ में पिछले साल की तुलना में प्रति व्यक्ति आय में 10.07 प्रतिशत की वृध्दि हुई है। इससे प्रति व्यक्ति आय 1 लाख 62 हजार 870 रुपए से बढ़कर 1 लाख 79 हजार 244 रुपए होने का अनुमान है।पुराने आंकड़ों को देखा जाए तो राज्य में हर साल प्रति व्यक्ति आय बढ़ती रही है। यह 20-21 में 1 लाख 6 हजार 117 रुपए थी तो इस हिसाब से देखा जाए तो साय सरकार के समय भी हर साल प्रति आय बढ़ रही है और इससे साफ है कि राज्य में लोगों को रोजगार भी मिल रहा है तथा सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ भी मिल रहा है।

आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक राज्य की जीडीपी प्रचलित भावों पर वर्ष 24-25 में 5 लाख 65 हजार 885 करोड़ रुपए से बढ़कर 6 लाख 31 हजार 291 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। जो पिछले साल की तुलना में 11.57 प्रतिशत की वृद्दि दर्शाता है। वहीं स्थिर भाव में 8.11 प्रतिशत वृध्दि होने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है।आर्थिक सर्वेक्षण में कृषि,उद्योग व सेवा क्षेत्र में तेज वृध्दि का अनुमान है।कृषि क्षेत्र में 2025-26 में 12.53 प्रतिशत वृध्दि का अनुमान है।इसी तरह उद्योग क्षेत्र में 10.26 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र में 13.15 प्रतिशत बृध्दि होने का अनुमान है। इस तरह देखा जाए तो तीनों क्षेत्र में पिछले साल की तुलना में ज्यादा वृध्दि होने का अनुमान है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी का कहना है कि तीनों क्षेत्र की जीडीपी में वृध्दि दो अंकों में हुई है। जीडीपी में सेवा क्षेत्र का योगदान उद्योग क्षेत्र से अधिक होना राज्य के विकास के लिए अच्छा है।

बजट का मतलब होता है कि राज्य के लोगों के लिए बेहतर से बेहतर काम करना। राज्य के लोगों के लिए बेहतर योजनाएं बनाना, उन पर बेहतर अमल करना, लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचे सुनिश्चित करना। राज्य के लोगों को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराना, उसका लाभ ज्यादा से ज्यादा लोगों को मिले सुनिश्चित करना। बजट में योजनाओं व सुविधाओं के लिए पैसे दिए जाते हैं। पैसे खर्च किए जाते हैं। हर साल ज्यादा सुविधा दी जाती है, लोगों को योजनाओं का लाभ दिया जाता है इससे खर्च बढ़ता है, खर्च बढ़ने से बजट भी हर साल बढ़ता है, जब भी खर्च बढ़ता है तो राज्य में भ्रष्टाचार भी बढ़ता है। जितना बजट बढ़ता जाता है, उतना खर्च बढ़ता है तो उतना ही ज्यादा भ्रष्टाचार भी बढ़ता है। यदि सरकार भ्रष्टाचार पर रोक लगाने वाली नहीं होती है तो हजारों करोड़ का भ्रष्टाचार कैसे होता है राज्य के लोगों ने पिछली सरकार के समय देखा है।

बजट तो हर साल बढ़ना ही है, इससे राज्य में भ्रष्टाचार भी बढ़ेगा ऐसे में सरकार को भ्रष्टाचार रोकने के लिए ज्यादा सजग होना पड़ेगा। क्योंकि पिछले साल पांच साल में राज्य तंत्र में भ्रष्टाचार का ऐसा रोग लगा है कि उसे खत्म करना साय सरकार के लिए चुनौती है। साय सरकार सुधारों के जरिए भ्रष्टाचार को कम करने का प्रयास कर रही है। यह बहुत अच्छी बात है, सरकार की नीति व नीयत जब भ्रष्टाचार रोकने की होती है तो बजट के पैसों का ज्यादा से ज्यादा सदुपयोग संभव होता है। राज्य के लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलती है, योजनाओं का लाभ नियमित मिलता है।इससे राज्य के लोगों की आय बढ़ती है, राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है, राज्य के लोगों के जीवन स्तर ऊंचा होता है। बजट का मकसद भी यही होता है पिछले बजट से राज्य सरकार अपने मकसद को पाने में सफल रही है तो उम्मीद की जा सकती है इस बार भी ऐसा होगा।

बच्चों को सोशल मीडिया के असर से बचाने की जरुरत

अजीत द्विवेदी

देश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का सम्मेलन चल रहा है। एआई के आर्थिक, सामरिक इस्तेमाल और उसके असर की व्याख्या हो रही है। दुनिया भर के विशेषज्ञ दिल्ली में हैं। और इसके समानांतर इस बात की भी चर्चा हो रही है कि बच्चों और किशोरों को सोशल मीडिया के इस्तेमाल से कैसे बचाया जाए। जब से ऑस्ट्रेलिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर पाबंदी लगा दी है और सभी सोशल मीडिया कंपनियों को यह सुनिश्चित करने को कहा है कि किसी भी बच्चे का अकाउंट उनके प्लेटफॉर्म पर नहीं होना चाहिए तब से भारत और दुनिया भर के देशों में इस तरह की चर्चा शुरू हो गई है। भारत में आंध्र प्रदेश सरकार की ओर से इसकी पहल हो रही है कि 15 साल तक की उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया से कैसे दूर रखा जाए। हो सकता है कि ऑस्ट्रेलिया के टेम्पलेट का इस्तेमाल करके यहां भी पाबंदी लगाई जाए।

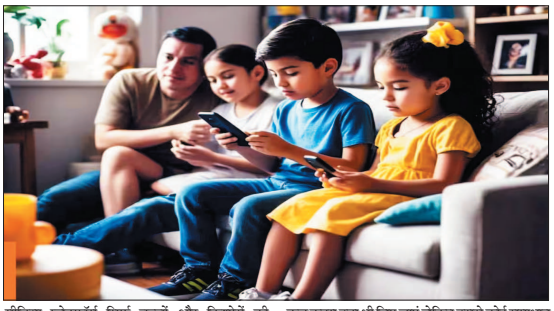

इसके साथ ही इस प्रतिबंध के असर को लेकर भी बहस छिड़ गई है। यह सवाल उठ रहे हैं कि क्या सोशल मीडिया पर पाबंदी बच्चों को इसके असर से बचाने का रामबाण उपाय है? इसके पक्ष और विपक्ष दोनों में तर्क दिए जा रहे हैं। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि पाबंदी का समर्थन और विरोध करने वाले दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हैं कि बच्चों को सोशल मीडिया के असर से बचाने की जरुरत है। बचाने के तरीके को लेकर जरूर मतभेद हैं। अमेरिका और यूरोप में कुछ दिन पहले हुए सर्वेक्षणों से पता चला कि इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ कि जेन जेड यानी 1997 से 2013 के बीच जन्मे बच्चे अपने से पहले वाली पीढ़ी यानी मिलेनियल्स के मुकाबले कम बुद्धिमान हैं। यह पहली बार है, जब कोई पीढ़ी अपने से पिछली पीढ़ी से कम बुद्धिमान हैं और इसका मुख्य कारण स्मार्ट फोन या दूसरे स्मार्ट गैजेट्स और सोशल मीडिया है। टेलीविजन को भी इडियट बॉक्स कहते थे लेकिन उसने बच्चों के सोचने, समझने की क्षमता को उतना प्रभावित नहीं किया, जितना इंटरनेट से कनेक्टेड गैजेट्स और सोशल मीडिया ने किया है।

सोचें, इस समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी कृत्रिम बुद्धि की वजह से दुनिया संज्ञानात्मक क्रांति (कॉग्निटिव रिवोल्यूशन) के मध्य में है और दूसरी ओर संचार क्रांति ने एक पूरी पीढ़ी की बुद्धिमता छीन ली है! क्या कृत्रिम बुद्धिमता के फलने फूलने के लिए जरूरी है कि प्राकृतिक बुद्धिमता का क्षरण हो? बहरहाल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सिर्फ बच्चों और किशोरों की संज्ञानात्मक क्षमता को प्रभावित नहीं कर रहे हैं, बल्कि उनकी सामाजिकता और मानसिक व शारीरिक क्षमता को भी प्रभावित कर रहे हैं। बच्चे और किशोर निराशा और अवसाद का शिकार हो रहे हैं। उनके अंदर कुंठा बढ़ रही है और सामाजिकता कम होती जा रही है। वे अपनी एक दुनिया रचने लगे हैं और कई बार यह उनके लिए जानलेवा साबित हो रहा है। पिछले ही दिनों दिल्ली से सटे गाजियाबाद में तीन बहनों के आत्महत्या करने की खबर आई थी। उनको सोशल मीडिया की ऐसी लत लगी थी कि वे अपनी वास्तविक दुनिया से बेखबर हो गई थीं और एक आभासी दुनिया में रहने लगी थीं, जिसकी परिणति तोनों की मृत्यु में हुई।

लेकिन क्या इस तरह की घटनाओं को रोकने और बच्चों व किशोरों को स्क्रीन एडिक्शन यानी फोन व सोशल मीडिया की लत से बचाने का एकमात्र तरीका यह है कि सोशल मीडिया पर पाबंदी लगा दी जाए? ध्यान रहे कोई भी पाबंदी बहुत खराब आर्थिक नीति मानी जाती है लेकिन यह सिर्फ आर्थिक नीति का मामला नहीं है, बल्कि इसके दूसरे पक्ष भी हैं। उन सबको ध्यान में रख कर ही कोई भी प्रयास किया जाना चाहिए। इसमें भेड़चाल के लिए कोई जगह नहीं है। ऑस्ट्रेलिया ने पाबंदी लगा दी और स्पेन के प्रधानमंत्री ने भी टिकटॉक से लेकर, यूट्यूब, स्नैपचैट, फेसबुक, इंस्टाग्राम जैसे लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बच्चों के लिए पाबंदी लगाने की योजना का ऐलान किया है। इसकी देखादेखी कुछ और देश ऐसा करेंगे और भारत में भी इसकी मांग होगी और लोकप्रिय भावना को संतुष्ट करने के लिए हो सकता है कि कुछ कदम उठा भी लिए जाएं लेकिन उससे कोई समाधान नहीं होगा।

सबसे पहले तो यह समझने की जरुरत है कि बच्चों और किशोरों में स्क्रीन की जो लत लगी है वह टेक्नोलॉजी या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की समस्या नहीं है। यह एक सामाजिक व पारिवारिक समस्या है, जिसमें तकनीक को विलेन बनाया जा रहा है। इसके समाधान के लिए सबसे पहले यह सवाल पूछने की जरुरत है कि स्क्रीन का एडिक्शन पहले किसको हुआ? सोशल मीडिया की लत पहले किसको लगी? क्या ऐसा नहीं कि परिवार के बड़े, बुजुर्ग पहले इस लत का शिकार हुए और फिर बच्चों की बारी आई? क्या यह सही नहीं है कि कोरोना महामारी के बाद की स्थितियों ने भी इस परिघटना को जन्म दिया? क्या पढ़ाई, लिखाई में स्मार्ट फोन या स्मार्ट गैजेट्स के इस्तेमाल को इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है? जाहिर है यह एक संश्लिष्ट समस्या है, जिसका समाधान पाबंदी के एक कामचलाऊ तरीके से निकालने की कोशिश हो रही है। अगर इसकी बहुआयामी जटिलता को समझते हुए समाधान निकालने का प्रयास नहीं हुआ तो पाबंदी लगाने से कुछ नहीं होगा।

वैसे भी किसी भी चीज पर पाबंदी कभी भी कामयाब नहीं होती है, बल्कि उससे समस्या उलझती जाती है और साथ ही नई समस्याएं भी पैदा होती हैं। वैसे भी बच्चों या किशोरों को सोशल मीडिया के इस्तेमाल से रोकना एक मुश्किल काम होगा। भारत जैसे देश में यह और भी मुश्किल होगा। पहले तो सोशल मीडिया पर अकाउंट बनाने वाले के उम्र और पहचान का वेरिफिकेशन बहुत मुश्किल होगा। अगर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सरकारी दस्तावेज जमा कराए जाते हैं तो प्राइवेसी कंप्रोमाइज्ड होने से लेकर पहचान के दुरुपयोग का खतरा अलग पैदा होगा।

इस तरह की पाबंदियों से बच्चों और किशोरों को, जो तकनीकी रूप से ज्यादा सक्षम और जानकार हैं, डार्क वेब या दूसरे गोपनीय तरीके आजमाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा, जिसके एक नया खतरा पैदा हो सकता है। इसी तरह कई बार सोशल मीडिया बच्चों व किशोरों को तनाव से निकलने का रास्ता भी देता है। वे अपने हमउम्र बच्चों से इससे जुड़े होते हैं, जिनसे उनको भावनात्मक संबल मिलता है। कई जानकार यह भी मानते हैं कि महिलाओं के सशक्तिकरण में इस तकनीक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की एक भूमिका रही है। इन पर पाबंदी महिलाओं को, खास कर युवा महिलाओं को निगेटिव तरीके से प्रभावित करेगी। ध्यान रहे भारत में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं का इंटरनेट एक्सेस बहुत कम है।

तभी सवाल है कि अगर पाबंदी कोई समाधान नहीं है तो क्या किया जाए? सबसे पहले तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को न्यूनतम जांच सुनिश्चित करने का सख्त निर्देश दिया जाए। इसके बाद उनके कंटेंट को लेकर भी उनको जिम्मेदार ठहराया जाए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को सुनिश्चित करना होगा कि किस किस्म का कंटेंट कौन एक्सेस करेगा। इसके बाद अश्लील और हिंसक कंटेंट को पूरी तरह से रोकने का नियम बनाने की जरुरत है। भारत में गेमिंग को रेगुलेट करने के नियम आए हैं। एडिक्ट करने वाले गेम और अश्लील कंटेंट को रोकने के सख्त नियम बनाए जाएं और उनको लागू कराया जाए।

पैरेंटल कंट्रोल को आसान बनाया जाए ताकि कम पढ़े लिखे लोग भी अपने घर के स्मार्ट गैजेट्स में इसका इस्तेमाल करके यह तय कर सकें कि उनके बच्चे क्या कंटेंट देख सकते हैं। इसके बाद स्कूल, कॉलेज, कोचिंग आदि में स्मार्ट गैजेट्स के इस्तेमाल को न्यूनतम किया जाए। मिसाल के तौर पर एक छोटी पहल यह हो सकती है कि बच्चे स्कूल जाते हैं तो होमवर्क और दूसरा कोई भी निर्देश उनको स्कूल में ही दिया जाए, जैसा पहले होता था। होमवर्क और दूसरे निर्देश व्हाट्सऐप पर भेजना बंद कर दिया जाए। नियमित स्कूल जाने वाले बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई को भी कम से कम किया जाना चाहिए। इसके बाद समाज और परिवार की मूल्य पद्धति को रीसेट करने की जरुरत है। अगर परिवार के बड़े, बुजुर्ग स्मार्ट गैजेट्स का इस्तेमाल कम करते हैं तो वे बच्चों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इस किस्म के कई छोटे छोटे कदम हैं, जिनसे सोशल मीडिया के निगेटिव असर को कम किया जा सकता है।

भाजपा को लेने के देन पड़ेगे

हरिशंकर व्यास

क्या भाजपा राहुल गांधी की लोकसभा की सदस्यता समाप्त कराने और जीवन भर चुनाव लड़ने से रोकेगी? ऐसे ही क्या प्रियंका गाधी वाड्रा की भी सदस्यता खत्म कराने की पहल होगी? भाजपा की ओर से पहले राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव लाने की चर्चा थी लेकिन उसको पता है कि उसमें पार्टी को शामिल होना होगा। यह भी सवाल था कि अगर सरकार के नीतिगत फैसलों की आलोचना के लिए विपक्ष के किसी सदस्य के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव लाया जाने लगे तो फिर यह बात बहुत दूर तक चली जाएगी। तभी पार्टी के एक सांसद निशिकांत दुबे की ओर से सबस्टेंसिव मोशन पेश कराया गया।

ध्यान रहे पहले सबस्टेंसिव मोशन पर यूपीए की पहली सरकार ने कई सांसदों की सदस्यता समाप्त की थी। उनके ऊपर पैसे लेकर सवाल पूछने के आरोप लगे थे। बाद में कमीशन लेकर एमपी फंड बेचने के आरोप में भी इस तरह का प्रस्ताव लाया गया। लेकिन राहुल गांधी का मामला अलग है। राहुल एक तो नेता विपक्ष हैं और दूसरे देश की मुख्य विपक्षी पार्टी के सर्वोच्च नेता हैं। उनके ऊपर जिस तरह के आरोप लगाए गए हैं उनका कोई बहुत मजबूत आधार नहीं है। फोर्ड फाउंडेशन से संबंध या जॉर्ज सोरोस के साथ संबंध रखना सदस्यता खत्म करने का आधार नहीं हो सकता। तभी ऐसा लग रहा है कि भाजपा सांसद की ओर से पेश किया गया प्रस्ताव का इस्तेमाल राहुल को डराने और दबाव बनाने की रणनीति के तौर पर है। राइट विंग इकोसिस्टम के लोग यह भी कह रहे हैं कि अगर राहुल की सदस्यता चली जाती है तो प्रियंका गांधी वाड्रा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बन जाएंगी। अगर ऐसा होगा तो पार्टी के अंदर पावर सेंटर बदल जाएगा। यानी इस तरह से राहुल से पीछा छूटने की भाजपा के नेता उम्मीद कर रहे हैं। हालांकि ऐसा होने की संभावना बिल्कुल नहीं है।

वैसे भाजपा नेताओं का एक समूह प्रियंका के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग कर रहा है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा है कि कांग्रेस और विपक्ष के कई सांसद स्पीकर के चैंबर में चले गए थे। उन्होंने वहां गाली गलौज की। यह भी कहा गया कि विपक्षी सांसदों ने प्रधानमंत्री के खिलाफ अपशब्द कहे। दावा किया जा रहा है कि प्रियंका गांधी वाड्रा ने इसकी साजिश रची थी और उनके उकसाने पर ये सांसद स्पीकर के कक्ष में गए थे। इस आधार पर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की बात है।

परंतु क्या भाजपा सचमुच ऐसा कर पाएगी? यदि ऐसा किया तो राजनीति पर उसका क्या असर होगा? ध्यान रहे पिछली लोकसभा के कायर्काल में सूरत में मानहानि के एक मामले में राहुल गांधी को दो साल की सजा हुई थी। लोकसभा सचिवालय ने तत्काल उनकी सदस्यता रद्द कर दी थी। उनका तुगलक लेन का बंगला खाली करने को कहा गया। राहुल ने तत्काल बंगला खाली किया। बाद में ऊपरी अदालत ने सजा पर रोक लगा दी तो राहुल की सदस्यता भी बहाल हुई। उसके बाद फिर उनको वही बंगला आवंटित हुआ लेकिन वे उसमें रहने नहीं गए। अंत नतीजा क्या हुआ? बाद में हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की सीटें 52 से बढ़ कर 99 हो गईं। दो निदर्लीय सांसदों को मिला कर कांग्रेस की संख्या एक सौ पार कर जाती है। यानी एक बार राहुल की सदस्यता रद्द हुई तो कांग्रेस की सीटों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई। अब यदि उनकी सदस्यता फिर रद्द होती है या चुनाव लड़ने से रोका जाता है तो क्या कांग्रेस डेढ़ सौ पहुंच जाएगी? पता नहीं, सीटों की संख्या आकलन अभी संभव नहीं है। इतना तय है कि अगर राहुल की सदस्यता खत्म हुई,र उनको चुनाव लड़ने से रोका गया या सदन से भी निलंबित किया गया तो इससे कांग्रेस में नई ऊर्जा लौटेगी। विपक्षी पार्टियों के साथ देश के एक बड़े मतदाता समूह में भाजपा विरोधी नेता के तौर पर राहुल की पोजिशन मजबूत होगी। भाजपा के लेने के देन पड़ेगे।

धान-परती भूमि में सरसों की खेती से किसानों की अच्छी आय संभव

डॉ. पीके राय, निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान

छत्तीसगढ़ की परती भूमि अब सोना उगलने लगी है। धान का कटोरा कहे जाने वाले इस राज्य में किसानों का रुझान राई-सरसों की खेती की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इससे न केवल किसानों को अतिरिक्त आमदनी मिलना शुरू हुई है, बल्कि देश को खाद्य तेल में आत्मनिर्भर बनाने की राह भी आसान होती नजर आ रही है। बता दें कि यहां के किसान धान कटाई के बाद खेतों को खाली छोड़ देते हैं, यानी रबी फसल की बुवाई नहीं करते हैं।

इस कारण उनकी आर्थिक स्थिति ज्यादा अच्छी नहीं है। किसानों के इन हालातों को देखते हुए आईसीएआर-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान, रायपुर ने ठोस रोडमैप के साथ प्रयास शुरू किए। परिणामस्वरूप परती भूमि पर अब सरसों की फसल लहलहाने लगी है। संस्थान के वैज्ञानिकों का कहना है कि राज्य की भूमि में खजाना छिपा हुआ है। यदि किसान धान कटाई के बाद देर से पकने वाली राई-सरसों किस्मों की बुवाई करें तो उनकी आर्थिक स्थिति में असम के किसानों के समान बदलाव देखने को मिल सकता है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में कुल कृषि क्षेत्र 4.78 मिलियन हेक्टेयर है। इसमें केवल 23 प्रतिशत क्षेत्र सिंचित है। वार्षिक वर्षा लगभग 1190 मिमी है, जिसमें लगभग 88 प्रतिशत वर्षा मानसून (मध्य जून से सितंबर) के दौरान होती है। इस दौरान किसान धान का बड़े पैमाने पर उत्पादन लेते हैं। वहीं रबी में गेहूं और थोड़े क्षेत्रफल में दलहनों की बुवाई करते हैं, लेकिन राई-सरसों का उत्पादन हाशिए पर है। वैज्ञानिकों का कहना है कि परती भूमि, बस्तर के पठारी और उत्तरी पहाड़ी क्षेत्रों में राई-सरसों की खेती की अच्छी संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि संस्थान का यह शुरुआती प्रयास है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि धान कटाई के बाद कृषि भूमि परती रह जाती है, जिससे प्राकृतिक संसाधनों का पूर्ण उपयोग नहीं हो पाता और किसानों की आय बढ़ाने के अवसर सीमित हो जाते हैं। राई-सरसों की फसल परती भूमि को उत्पादक बनाने में मददगार बन सकती है।

परती भूमि की चुनौती : छत्तीसगढ़ में लगभग 3.9 मिलियन हेक्टेयर में धान की खेती होती है, जबकि धान उत्पादन लगभग 9.8 मिलियन टन है। खरीफ में अधिक वर्षा और चिकनी मिट्टी के कारण धान का उत्पादन भरपूर होता है, लेकिन रबी में यही खेती सीमित रह जाती है। धान के कुल क्षेत्र का लगभग 32 प्रतिशत भाग ही सिंचित है, जिससे कटाई के बाद पठारी और पहाड़ी क्षेत्रों के लगभग 40झ60 प्रतिशत खेत परती रह जाते हैं। इस स्थिति में राई-सरसों का बुवाई क्षेत्र बढ़ाया जा सकता है।

31 हजार हेक्टेयर में खेती : संस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ. पंकज शर्मा ने बताया कि यहां की जलवायु रबी तिलहन के लिए अनुकूल है, बशर्ते खरीफ के बाद मृदा में नमी का संरक्षण और उचित कृषि तकनीकों का प्रभावी उपयोग किया जाए। क्योंकि राई-सरसों को कम पानी में उगाया जा सकता है और यह कम समय में पक जाती है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में महज 31 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सरसों की खेती होती है। करीब 17,260 टन उत्पादन और उत्पादकता 563 किग्रा प्रति हेक्टेयर है, जिसे वैज्ञानिक तकनीकों के समावेश से और बढ़ाया जा सकता है।

20 प्रतिशत ज्यादा उपज : उन्होंने बताया कि अनुसंधान परीक्षण के आधार पर धान के परती खेतों में राई-सरसों की अच्छी पैदावार मिलती है। इस फसल की लगभग 20 प्रतिशत अधिक पैदावार प्राप्त हुई है। प्रदर्शन के दौरान सरसों की किस्म डीआरएमआर-150-35 ने उत्साहजनक परिणाम दिए। यह किस्म 95झ110 दिनों में पक जाती है, जिससे धान की कटाई के बाद मध्य नवंबर से दिसंबर के प्रथम सप्ताह तक इसकी बुवाई सहजता से की जा सकती है। इसके अलावा किसान छत्तीसगढ़ सरसों, टीबीएम, एनआरसीएचबी-101 और बीबीएम-1 जैसी किस्मों का उपयोग कर सकते हैं।

किसानों को आजीविका सुरक्षा : धान परती क्षेत्रों में राई-सरसों को शामिल करने से किसानों की आय और आजीविका सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार संभव है। वर्षा आधारित धान पारिस्थितिकी तंत्र में किए गए प्रदर्शनों से यह सिद्ध हुआ है कि शून्य जुताई के तहत राई-सरसों से 8झ14 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक उपज प्राप्त की जा सकती है। इससे प्रति हेक्टेयर 27 हजार रुपये से अधिक का शुद्ध लाभ प्राप्त होता है। साथ ही सरसों के साथ मधुमक्खी पालन करके किसान अपनी आमदनी को और भी बढ़ा सकते हैं। छत्तीसगढ़ में राई-सरसों की खेती किसानों को त्रिस्तरीय लाभ दे सकती है, जिसमें आय वृद्धि, परती भूमि का उपयोग और खाद्य तेल उत्पादन में बढ़ोतरी शामिल है। इस फसल से राज्य के कृषि परिदृश्य को बदला जा सकता है। इस फसल पर अनुसंधान के काफी उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं।

टूटे दिल को सहारा देने की काव्यात्मक पहल

डॉ. अजय आर्य

समकालीन हिंदी साहित्य के संवेदनशील कवि, लेखक एवं शिक्षाविद् डॉ. अजय आर्य की नवीन काव्यकृति मुझको भी जीने की वजह दे दे का लोकार्पण साहित्य, संवेदना और आत्मबोध से परिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह आयोजन मात्र पुस्तक विमोचन तक सीमित न रहकर प्रेम, प्रकृति और मनुष्य के अंतर्मन पर केंद्रित एक सार्थक वैचारिक संवाद का मंच बन गया। कार्यक्रम में साहित्य की सामाजिक भूमिका, मानवीय मूल्यों के संरक्षण और रचनात्मक लेखन की आवश्यकता पर गहन विचार-विमर्श हुआ।

डॉ. अजय आर्य की नवीन काव्यकृति 'मुझको भी जीने की वजह दे दे' का हुआ लोकार्पण

यह काव्य-संग्रह कुल 43 कविताओं से सुसज्जित है और रचनात्मक दृष्टि से डॉ. अजय आर्य की नौवीं कृति है। संग्रह तेरे होने की रोशनी से आरंभ होकर मजबूरी पर समाप्त होता है। इसमें प्रेम को केवल भावुक अनुभूति के रूप में नहीं, बल्कि जीवन को समझने, सँभालने और टूटने से बचाने वाली शक्ति के रूप में प्रस्तुत किया गया है। प्रेम के साथ-साथ बिछोह की पीड़ा, प्रतीक्षा की वेदना, स्मृतियों की ऊष्मा और आत्मसंयम की शांति का गहन चित्रण इस संग्रह को विशिष्ट बनाता है। यह कृति अमृत कलश प्रकाशन, पंजाब से प्रकाशित हुई है और समकालीन हिंदी कविता में एक महत्वपूर्ण योगदान मानी जा रही है।

डॉ. अजय आर्य का साहित्यिक व्यक्तित्व बहुआयामी है। वे लंबे समय से साहित्य-सृजन, शिक्षण, शोध और सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़े हुए हैं। अब तक वे ढाई सौ से अधिक लेख, 350 से अधिक कविताएँ तथा 25 से अधिक शोधपत्र लिख चुके हैं। उनकी रचनाओं में प्रेम, मानवीय संवेदना, आत्मसंघर्ष और जीवन-बोध का संतुलित व गहन चित्रण मिलता है। सरल, प्रवाहपूर्ण और भावनात्मक भाषा उनकी लेखन शैली की प्रमुख विशेषता है। साहित्यिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक अवदान के लिए उन्हें यूथ एक्सीलेंस फॉर ूमैनिटी अवार्ड-2025, स्वामी विवेकानंद आदर्श रत्न सम्मान, शास्त्री रत्न सम्मान-24, मैनिटी इम्पैक्ट अवार्ड, पीस एक्सीलेंस अवार्ड, टैगोर सोशल चेंज अवार्ड, प्रेमचंद सम्मान तथा मंगलेश डबराल पुरस्कार सहित अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से अलंकृत किया जा चुका है। लेखन के साथ-साथ वे समाज सेवा में भी सक्रिय हैं और अब तक 54 बार रक्तदान कर चुके हैं।

कार्यक्रम के दौरान संस्कृत की विदुषी अनुपमा उपाध्याय ने कहा कि प्रेम सृष्टि का मूल तत्व है और जब साहित्य उसे संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत करता है, तो वह पाठक के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन जाता है। उनके अनुसार यह कृति मनुष्य और प्रकृति के सूक्ष्म संबंधों को उजागर करती है तथा पाठक को आत्ममंथन के लिए प्रेरित करती है। जसविंदर कौर ने इस संग्रह को नारी संवेदना, आत्मसम्मान और आंतरिक पीड़ा की सशक्त अभिव्यक्ति बताया। प्राचार्य दुष्यंत कुमार एवं उपप्राचार्य अदिति शर्मा ने इसे आत्मसंवाद और आत्मसंयम की प्रेरक कृति बताते हुए लेखक को बधाई दी। विभिन्न विभागाध्यक्षों और शिक्षकों ने कृति को समय की संवेदनशील आवश्यकता बताते हुए इसके साहित्यिक महत्व को रेखांकित किया।

समारोह के अंत में यह काव्यकृति शिक्षाविद् डॉ. एम. एम. त्रिपाठी के कर-कमलों से लोकार्पित की गई। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में उन्होंने कहा कि प्रेम केवल मनुष्य के निजी संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह संपूर्ण सृष्टि में व्याप्त एक मूल चेतना है, जो मनुष्य, प्रकृति और समाज को एक सूत्र में बाँधती है। उन्होंने कहा कि जैसे मनुष्य प्रेम में समर्पण, प्रतीक्षा, पीड़ा और स्वीकार के भावों से गुजरता है, वैसे ही प्रकृति भी प्रेम के इन्हीं अनुभवों को अपने ढंग से व्यक्त करती है। नमर्दा-सोनभद्र की लोककथा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रेम में मिला विश्वासघात केवल भावनात्मक नहीं होता, वह जीवन की दिशा और स्वभाव को भी बदल देता है। नमर्दा का विपरीत दिशा में प्रवाहित होना प्रेमजन्य आत्मिक पीड़ा और आत्मसंयम का प्रतीक है। डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि डॉ. अजय आर्य की यह काव्यकृति प्रेम के इसी व्यापक, गहरे और संयमी स्वरूप को प्रस्तुत करती है, जहाँ प्रेम केवल मिलन का उत्सव नहीं, बल्कि बिछोह में भी मनुष्य को टूटने से बचाने वाली आंतरिक शक्ति बन जाता है। उनके अनुसार यह संग्रह पाठक को भावनात्मक रूप से स्पर्श करने के साथ-साथ आत्मबोध की ओर अग्रसर करता है और साहित्य के उस मूल उद्देश्य को सार्थक करता है, जिसमें संवेदना मनुष्य को भीतर से मजबूत बनाती है।

इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका अनामिका ताम्रकार, सौरभ सोनी, नीलिमा दिलीवर, अपर्णा सिंह, पुष्पा प्रजापति, रवि कुमार, दिनेश यादव, नितिन देवांगन, वर्षा श्रीवास्तव, सुरुचि यादव, शीतल जैन, प्रीति गुप्ता, त्रिणी चक्रवर्ती, खिलेंद्र कुमार, दीपिका साहू, पृथ्वी राज, ए. नलिनी, सरिता मिश्रा, सिद्धि लहुरिया, दीक्षा यादव, आस्था देवांगन, ज्योति जायसवाल सहित अनेक शिक्षक-शिक्षिकाएँ, साहित्यप्रेमी एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी ने आयोजन की गरिमा की सराहना करते हुए लेखक के साहित्यिक योगदान को महत्वपूर्ण बताया।

होली पर्व पर सड़क सुरक्षा के लिए दुर्ग पुलिस की सख्त तैयारी, नियम उल्लंघन पर कार्रवाई के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

होली पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था एवं सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दुर्ग पुलिस द्वारा सख्त कदम उठाए गए हैं। इसी क्रम में 24 फरवरी को पुलिस नियंत्रण कक्ष, सेक्टर-06 भिलाई में पुलिस उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग की अध्यक्षता में यातायात पुलिस अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी होली पर्व को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने हेतु समन्वित कार्ययोजना तैयार की गई। निर्देश दिए गए कि होलिका दहन की रात्रि एवं होली के दिन शहर के प्रमुख मार्गों, राष्ट्रीय राजमार्गों, भीड़-भाड़ वाले बाजार क्षेत्रों, सार्वजनिक स्थलों तथा पूर्व में चिन्हित संवेदनशील व अतिसंवेदनशील चौक-चौराहों पर विशेष निगरानी रखी जाए।

शून्य सहनशीलता नीति लागू: पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि: ड्रिंक एंड ड्राइव, तेज व लापरवाहीपूर्वक वाहन संचालन, स्टंटबाजी, ट्रिपल राइडिंग, खुले वाहन में खतरनाक यात्रा, संशोधित साइलेंसर, ध्वनि प्रदूषण, सार्वजनिक मार्ग अवरुद्ध करने व अन्य वाहन चालकों को बाधित करने जैसे मामलों में मोटरयान अधिनियम के तहत कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

ब्रीथ एनालाइजर व इंटरसेप्टर से सघन जांच : ड्रिंक एंड ड्राइव के मामलों में ब्रीथ एनालाइजर से जांच कर दोषी पाए जाने पर वाहन जप्त कर प्रकरण तैयार किया जाएगा और माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। आवश्यकता अनुसार संबंधित चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन की वैधानिक प्रक्रिया भी सुनिश्चित की जाएगी। संवेदनशील चौकों पर विशेष टीमों की तैनाती के साथ इंटरसेप्टर वाहनों से सघन जांच के निर्देश दिए गए हैं।

सराहनीय कार्य का सम्मान: बैठक के दौरान जिले के प्रमुख चौक-चौराहों पर सघन वाहन चेकिंग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले यातायात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही सभी को ड्यूटी प्वाइंट पर समयबद्ध उपस्थिति एवं त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि होली पर्व को मर्यादित व सुरक्षित ढंग से मनाएं, नशे की अवस्था में वाहन न चलाएं, यातायात नियमों का पालन करें और स्वयं व अन्य नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।

खास खबर

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से अकालू की जिंदगी आई बदलाव

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रधानमंत्री आवास योजना का मुख्य उद्देश्य ऐसे परिवारों को सहायता प्रदान करना है, जिनके पास पक्का मकान नहीं है और जो कच्चे या जर्जर मकानों में रह रहे हैं। छत्तीसगढ़ के कुछ ग्रामीण इलाकों में लोगों को अच्छा और पक्का मकान देने के लिए सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना लागू की है। इस योजना से ग्रामीण परिवारों को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन व्यतीत करने में मदद मिलती है।

जिला सूरजपुर के जनपद पंचायत प्रतापपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत जजावल निवासी अकालू पिता भुवाली के जीवन में अब एक नई शुरुआत हुई है। कभी भटके रास्ते पर चले आत्मसमर्पित नक्सली अकालू ने समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। आज शासन की जनकल्याणकारी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत उन्हें विशेष परियोजना के तहत आवास का निर्माण किया है, जिसने उनके जीवन को नई दिशा दी है। आवास निर्माण के साथ ही अकालू और उनके परिवार के सपनों को पंख मिल गया है।

अंकालू को कच्चे और असुरक्षित मकान में रहने की चिंता नहीं सताएगी। योजना के माध्यम से उन्हें पक्का घर बनाने के लिए आर्थिक सहायता मिली, जिससे अब उनका परिवार सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण में जीवन व्यतीत कर सकेगा। अकालू का कहना है कि शासन की इस पहल ने उन्हें समाज में नई पहचान और आत्मविश्वास दिया है। आत्मसमर्पण के बाद पुनर्वास की दिशा में मिला यह सहयोग उनके लिए किसी नई सुबह से कम नहीं है।

यह कहानी न केवल एक व्यक्ति के जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तन की मिसाल है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि सही मार्ग चुनने पर शासन हर कदम पर साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से जरूरतमंदों को आशियाना ही नहीं, बल्कि सम्मान और सुरक्षित भविष्य भी मिल रहा है।

जिला चिकित्सालय में मरीजों का करें गुणवत्तापूर्ण उपचार : कलेक्टर यादव

मरीजों को कम से कम करें रिफर, कलेक्टर ने ली साप्ताहिक समय-सीमा बैठक

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि जिला अस्पताल में मरीजों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराएं और उन्हें अनावश्यक रिफर नहीं करें। जिला चिकित्सालय तथा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय की यह समन्वित जिम्मेदारी है कि मरीजों का गुणवत्तापूर्ण उपचार करें तथा कम से कम रिफर करें। उन्होंने जिला चिकित्सालय में संस्थागत प्रसव तथा हास्पिटल की आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी ली।

कलेक्टर ने कहा कि जिले के उप स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के मरीज जिला चिकित्सालय रिफर होकर पहुंचते है। ऐसे में जिला चिकित्सालय की जिम्मेदारी और महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग में तहसीलदारों व नायब तहसीलदारों का स्थानांतरण किया गया है, ताकि कार्य सुचारू तौर पर चलता रहे। कलेक्टर ने कहा कि 0 से 5 तथा 5 से 15 आयु वर्ग के बच्चों का आधार अपडेट प्राथमिकता से कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी शासकीय एवं निजी स्कूलों तथा आंगनबाड़ी केन्द्र में आधार अपडेट कराने का कार्य होना चाहिए।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन के नये आदेश के तहत नगर पालिक निगम राजनांदगांव क्षेत्र अंतर्गत किसी भी प्रकार की आबादी सुरक्षित भूमि पर काबिज होने का साक्ष्य होने पर प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी से लाभान्वित करने का प्रावधान किया गया है। इस योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने का। कलेक्टर ने कहा कि ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए ऐसे स्थानों का चिन्हांकन करें, जहां पेयजल की समस्या होती थी। उन्होंने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जनसामान्य को पेयजल की समस्या नहीं हो इसके लिए समाधान करने के निर्देश दिए। सभी जनमद सीईओ एवं सीएमओ से पेयजल की व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली तथा निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएम जनदर्शन, पीजी पोर्टल, कलेक्टर जनदर्शन एवं साप्ताहिक समय-सीमा के लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा की।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कहा कि अटल मानिटरिंग पोर्टल के सभी निर्धारित मापदण्डों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करें। स्वास्थ्य, शिक्षा, अधोसंरचना सहित शासन की अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि धान के उठाव के कार्य में गति लाएं तथा टीओ काटने के कार्य में तेजी लाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए खाद एवं बीज की पर्याप्त उपलब्धता होनी चाहिए। इसके साथ ही खाद-बीज के अग्रिम उठाव कराने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रतिमाह चावल उत्सव मनाने के लिए कहा। उन्होंने बायोमैट्रिक के माध्यम से उपस्थिति के संबंध में जानकारी ली तथा सभी को समय पर कार्यालय में उपस्थित रहने के लिए कहा। सभी अधिकारी मंगलवार एवं बुधवार को मुख्यालय में रहना सुनिश्चित करें। उन्होंने ई-ऑफिस के क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि पीएमश्री स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण व्यवस्था के लिए निरंतर निरीक्षण करें तथा निर्माणाधीन कार्यों को समय पर पूर्ण कराएं। उन्होंने आयुष एवं स्वास्थ्य विभाग को समन्वित तरीके से स्वस्थ जीवन शैली के लिए जागरूकता लाने के लिए कहा। आयुष्मान आरोग्य मंदिर में योग, चिकित्सा परामर्श, टैली कन्सलटेंसी की जानकारी ली तथा बायोमेडिकल कचरे के निपटान की समुचित व्यवस्था करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि 1 अप्रैल से 9वीं, 10वीं, 11वीं, 12वीं का पाठ्यक्रम बनाकर बच्चों की पढ़ाई जारी रखें।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने कहा कि बायोमैट्रिक उपस्थिति सभी शासकीय कार्यालयों में शुरू करें। ग्राम पंचायतों में भी बायोमैट्रिक उपस्थिति के लिए सचिवों को पंजीयन कराने कहा। बैठक में वनमंडलाधिकारी आयुष जैन, अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, अपर कलेक्टर प्रेम प्रकाश शर्मा, नगर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा, एसडीएम डोंगरगढ़ एम भार्गव, एसडीएम डोंगरगांव श्रीकांत कोरम, एसडीएम गौतम पाटिल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बीएसपी कर्मियों की गृहणियों ने 'आप भी जानिए' के तहत किया संयंत्र भ्रमण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन विभाग द्वारा 21 फरवरी 2026 को प्लेट मिल विभाग के 22 कमचारियों की पत्नियों के लिए आप भी जानिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह पहल कर्मचारियों के परिवारों को उनके कार्यस्थल, संयंत्र की कार्यप्रणाली तथा संपूर्ण इस्पात निर्माण प्रक्रिया से परिचित कराने के उद्देश्य से आयोजित की जाती है।

कार्यक्रम का उद्देश्य संगठन और कर्मचारियों के परिवारों के मध्य संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाना है, ताकि वे संयंत्र में किए जाने वाले कार्य की प्रकृति, जिम्मेदारियों और उसके राष्ट्रीय महत्व को निकट से समझ सकें। उद्घाटन सत्र एचआरडी केन्द्र में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाप्रबंधक सी. पदनाभन ने की। इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रभारी जे. एन. ठाकुर एवं उप महाप्रबंधक प्रताप शेखर नायक भी उपस्थित रहे।

गणमान्य अतिथियों ने अपने संबोधन में प्लेट मिल विभाग की राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए संयंत्र में सुदृढ़ सुरक्षा संस्कृति के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सुरक्षित एवं कुशल उत्पादन सुनिश्चित करने में परिवारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि परिवार का मनोबल और सहयोग ही कर्मियों को समर्पण एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रबंधक सुश्री तनमयी मारेपल्ली द्वारा किया गया।

संयंत्र भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों ने यूआरएम, ब्लास्ट फर्नेस, एसएमएस-3, सीओ एंड सीसीडी, रोज गार्डन तथा प्लेट मिल का अवलोकन किया। उन्होंने प्लेट मिल के शॉप फ्लोर का भी दौरा किया, जहाँ उनके पति कार्यरत हैं। इस दौरान उन्होंने इस्पात निर्माण एवं रोलिंग प्रक्रिया के विभिन्न चरणों को निकट से देखा और दैनिक कार्यप्रणाली की बारीकियों को समझा। इस अनुभव ने उन्हें संयंत्र की कार्यसंस्कृति, तकनीकी दक्षता और सुरक्षा मानकों की बेहतर समझ प्रदान की।

भ्रमण के उपरांत एचआर प्रमुखों एवं प्लेट मिल विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सभी प्रतिभागियों ने बीएसपी के बेस किचन में स्नेहिल दोपहर भोज में सहभागिता की, जिससे आत्मीय संवाद का वातावरण निर्मित हुआ। कार्यक्रम के अंतिम चरण में मुख्य महाप्रबंधक कार्तिकेय बेहरा एवं विभागाध्यक्षों के साथ एक संवाद सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने अनुभव एवं विचार साझा किए। उन्होंने कार्यक्रम की उपयोगिता की सराहना करते हुए इसे अत्यंत प्रेरणादायी बताया।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी नागरिकों की समस्याएं

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिले के विभिन्न स्थानों से आए जनसामान्य की शिकायत एवं समस्याओं को गंभीरता से सुना। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने नागरिकों की समस्याओं का नियमानुसार निराकरण करते हुए उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने कहा। आवेदनों का अवलोकन कर नियमानुसार पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि जनमानस उम्मीद लेकर जनदर्शन में आते है। उनकी समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए समाधान शीघ्र करें। जनदर्शन में प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित करने, अतिक्रमण हटाने, सीमांकन, नजूल से संबंधित, छात्रवृत्ति, पेंशन, आयुष्मान कार्ड बनवाने, राजस्व रिकार्ड दुरूस्त कराने सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभ दिलाने जैसे आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के साथ निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह, अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, अपर कलेक्टर प्रेमप्रकाश शर्मा, नगर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधान आरक्षक की बेटी बनी सिविल जज, आईजी गर्ग ने दी बधाई

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

विशेष शाखा में पदस्थ प्रधान आरक्षक सतलोक साय पैकरा और मनप्यारी देवी के परिवार में उस समय खुशी की लहर दौड़ गई, जब उनकी बेटी स्वाति पैकरा ने सिविल जज परीक्षा में अपने पहले ही प्रयास में उल्लेखनीय सफलता हासिल की। इस उपलब्धि ने न केवल पैकरा परिवार, बल्कि पूरे पुलिस महकमे को गौरवान्वित कर दिया। चयन के पश्चात स्वाति पैकरा अपने पिता के साथ पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय पहुंचीं, जहां पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। आईजी कार्यालय में आयोजित सौजन्य भेंट के दौरान स्वाति पैकरा का आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर जोनल पुलिस अधीक्षक दीपमाला कश्यप भी उपस्थित रहीं।

आईजी रामगोपाल गर्ग ने स्वाति को स्मरणिका भेंट कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बेटी के सम्मान का यह पल देखकर प्रधान आरक्षक सतलोक साय पैकरा भावुक हो उठे। उपस्थित अधिकारियों और कमचारियों ने भी स्वाति की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दीं। पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग ने स्वाति पैकरा को संबोधित करते हुए कहा कि न्यायिक सेवा का दायित्व अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील होता है। उन्होंने सीख देते हुए कहा कि जीवन में अनेक चुनौतियां और परिस्थितियां सामने आएंगी, किंतु ईमानदारी, निष्पक्षता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने कर्तव्यपथ पर अडिग रहना ही सच्ची सफलता का मूल मंत्र है। उन्होंने यह भी कहा कि समाज को न्याय दिलाने की जिम्मेदारी निभाते समय नैतिक मूल्यों और संवैधानिक आदर्शों का सदैव पालन करना चाहिए।

आईजी गर्ग ने इस अवसर पर पुलिस परिवारों की भूमिका की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि पुलिस की नौकरी स्वभावतः कठिन और समय-साध्य होती है, जिसके कारण अभिभावक अपने बच्चों को अपेक्षित समय नहीं दे पाते। इसके बावजूद पुलिस परिवारों के बच्चे अपनी मेहनत, अनुशासन और लगन से विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। स्वाति पैकरा का सिविल जज के रूप में चयन होना पूरे पुलिस परिवार के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। उन्होंने आश्वासन दिया कि पुलिस रेंज के मुखिया के रूप में पुलिस कर्मियों के बच्चों की शिक्षा और करियर उन्नति के लिए जो भी सहयोग संभव होगा, उसके लिए निरंतर सार्थक प्रयास किए जाएंगे। इस सफलता ने यह सिद्ध कर दिया है कि सीमित संसाधनों और चुनौतियों के बीच भी दृढ़ संकल्प, परिश्रम और सकारात्मक सोच से बड़े लक्ष्य प्राप्त किए जा सकते हैं। स्वाति पैकरा की इस उपलब्धि पर पुलिस विभाग के अधिकारियों और कमचारियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शांति नगर दशहरा मैदान को टेंडर प्रक्रिया से मुक्त कर रुचि की अभिव्यक्ति के माध्यम से देने की मांग

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शांति नगर के वरिष्ठ नागरिकों ने वरिष्ठ कांग्रेसी नेता बृजमोहन सिंह एवं पार्षद अभिषेक मिश्रा के नेतृत्व में नगर निगम भिलाई के महापौर एवं आयुक्त से मुलाकात कर शांति नगर दशहरा मैदान के संबंध में नागरिकों की भावनाओं से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने स्पष्ट रूप से मांग रखी कि नगर निगम द्वारा जारी किया गया टेंडर तत्काल निरस्त किया जाए। इस ग्राउंड से हजारों खेल प्रेमियों की खेल भावना जुड़ी हुई है, इसलिए इसे किसी भी प्रकार की टेंडर प्रक्रिया के अंतर्गत न लाया जाए।

नागरिकों की ओर से यह मांग रखी गई कि मैदान को टेंडर के माध्यम से नहीं, बल्कि रुचि की अभिव्यक्ति (Expression of Interest) के माध्यम से केवल रख-रखाव हेतु शांति नगर की किसी स्थानीय समिति/संस्था को सौंपा जाए, ताकि मैदान की नियमित देखरेख, घास में समय पर पानी, लाइटों की निगरानी, गड्ढों की मरम्मत एवं असामाजिक गतिविधियों पर रोक सुनिश्चित की जा सके। वर्तमान में कई बाहरी लोग टूर्नामेंट आयोजित कर एंट्री फीस लेते हैं, परंतु मैदान के रख-रखाव में सहयोग नहीं करते, जिससे मैदान को नुकसान पहुंचता है।

प्रतिनिधिमंडल ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि टेंडर प्रक्रिया समाप्त नहीं की जाती है, तो शांति नगर के सैकड़ों खेल प्रेमी एवं नागरिक नगर निगम के विरुद्ध आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे और यह विरोध तब तक जारी रहेगा, जब तक टेंडर प्रक्रिया पूरी तरह समाप्त नहीं कर दी जाती। महापौर ने चर्चा के दौरान स्पष्ट किया कि मैदान को रुचि की अभिव्यक्ति के अनुसार ही दिया जाएगा तथा वर्तमान टेंडर प्रक्रिया में आवश्यक बदलाव किए जाएंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि नियम एवं शर्तें नागरिकों के सुझावों के अनुरूप निर्धारित की जाएंगी। महापौर महोदय ने यह भी कहा कि नगर निगम का उद्देश्य भी मैदान को सुरक्षित एवं संरक्षित रखना है, इसी भावना से प्रक्रिया प्रारंभ की गई थी, जिसे अब नागरिकों की मांग के अनुसार संशोधित किया जाएगा।

यह पूरी पहल शांति नगर के नागरिकों की मांग एवं भावनाओं को ध्यान में रखते हुए की गई है।

स्थानीय समिति को जिम्मेदारी देने के पीछे निम्न प्रमुख कारण बताए गए—वर्तमान में कई बाहरी व्यक्ति टूर्नामेंट आयोजित कर खिलाड़ियों से एंट्री फीस के नाम पर राशि लेते हैं, परंतु मैदान के रख-रखाव में कोई सहयोग नहीं करते। कई आयोजनों के दौरान वाहन मैदान के अंदर तक ले जाए जाते हैं, जिससे घास और मैदान की सतह को नुकसान पहुंचता है। मैदान में लगी लाइटें रातभर जलती रहती हैं, जिसकी देखरेख करने वाला कोई जिम्मेदार व्यक्ति नहीं होता। कई स्थानों पर गड्ढे खोद दिए जाते हैं, जिससे खिलाड़ियों को चोट लगने का खतरा बना रहता है। कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा मैदान परिसर में नशाखोरी जैसी गतिविधियों की शिकायतें भी सामने आती रही हैं।

ज्ञापन देने वालों बलदेव सिंह ठाकुर, केदार बंसल, आशीष त्रिपाठी, चंद्रभूषण झा, अमर सिंह, भरत सिंह, संजय उपाध्याय, नवतेज सिंह सोहेल, महेंद्र यादव, राजेश यादव, धर्मेंद्र पाटिल, मुरली पोद्दार, सत्यनारायण राव, गिरीश खापोड़े, राजेश शर्मा आदि मौजूद थे।

अवैध धान परिवहन पर जप्त वाहनों और धान की होगी मुक्ति, मंडी शुल्क जमा कर वापस पा सकेंगे वाहन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिला प्रशासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान अवैध धान के परिवहन एवं धान उपार्जन केन्द्रों में खपाने का प्रयास करने पर की गई सख्त कार्रवाई के बाद अब जप्त किए गए धान और वाहनों को मुक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। व्यवहार न्यायालय में जिन प्रकरणों के मामले लंबित नहीं है, कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार उन्हें मंडी शुल्क की वसूली के उपरांत छोड़ा जाएगा।

निर्देश

जप्त किए गए धान और वाहनों को मुक्त करने की प्रक्रिया शुरू, कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने जारी किया आदेश

उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन और राजस्व विभाग की टीम ने सक्रियता दिखाते हुए धान खरीदी की अवधि के दौरान कोचियों और बिचौलियों के विरूद्ध अभियान चलाया था। इस दौरान 200 से अधिक प्रकरण दर्ज किए गए थे, जिनमें भारी मात्रा में धान के साथ-साथ परिवहन में प्रयुक्त वाहनों को भी जप्त किया गया था। कलेक्टर द्वारा जारी नवीन आदेश के परिपालन में छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी अधिनियम 1972 के सुसंगत प्रावधानों के अंतर्गत इन प्रकरणों का निराकरण किया जा रहा है। ऐसे प्रकरण जो वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन हैं, उन्हें छोड़कर शेष सभी मामलों में नियमानुसार मंडी टैक्स की गणना की जाएगी। संबंधित पक्षों द्वारा निर्धारित मंडी शुल्क और पेनल्टी की राशि जमा करने के उपरांत, जप्त धान और वाहनों को जशी से मुक्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

बाबा के भजनों में झूमेंगे रात भर, सुबह निकालेंगे विशाल और फाल्गुन निशान यात्रा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ की धार्मिक नगरी दुर्ग इस वर्ष फाल्गुन एकादशी के पावन अवसर पर भक्ति और श्रद्धा के एक अद्भुत दृश्य की साक्षी बनने जा रही है। पहली बार शहर में श्री श्याम बाबा की खाटू धाम की तर्ज पर विशाल और भव्य फाल्गुन निशान यात्रा निकाली जाएगी। इस ऐतिहासिक आयोजन को लेकर पूरे शहर में धार्मिक उत्साह और श्याम भक्ति का माहौल बन गया है।

पिछले एक सप्ताह से दुर्गा मंदिर में महिलाएं एवं युवा मिलकर अपने हाथों से तैयार बाबा का निशान तैयार कर रहे है निशान में बाबा का ध्वज, नारियल मोर पंख मोली धागा जैसी विभिन्न सामग्री से एक निशान तैयार हो रहा है सभी के द्वारा ग्यारह सौ से अधिक निशान को तैयारी की गई है,

फाल्गुन मास की पावन ग्यारस पर आयोजित होने वाली श्री श्याम फाल्गुन निशान यात्रा 2026 की तैयारियां पूरे जोर-शोर से चल रही हैं। आयोजन का मुख्य उद्देश्य उन श्याम भक्तों को खाटू श्याम की अनुभूति कराना है, जो किसी कारणवश राजस्थान के सीकर स्थित खाटू धाम नहीं पहुंच पाते। अब दुर्ग में ही भक्तों को खाटू जैसी परंपरा, रीति-रिवाज और भव्यता के साथ बाबा श्याम के सजीव दर्शन का सौभाग्य मिलेगा।

खाटू धाम की झलक दिखेगी दुर्ग की सड़कों पर

निशान यात्रा आयोजक समिति के योगेन्द्र शर्मा बंटी ने बताया कि फाल्गुन एकादशी के दिन दुर्ग की सड़कों पर खाटू धाम जैसा दिव्य वातावरण नजर आएगा। बाबा श्याम का रथ, घोड़े-बग्गी,

मधुर भजनों की स्वर लहरियां, फूलों व इत्र की वर्षा और सैकड़ों श्रद्धालुओं के हाथों में श्याम बाबा का निशान—यह यात्रा श्रद्धा और भक्ति का अनुपम संगम होगी।

निशान यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी, जहां जगह-जगह पुष्पवर्षा और इत्र वर्षा की विशेष व्यवस्था की जा रही है। ग्यारह सौ से ज्यादा की संख्या में श्याम भक्त केसरिया, नारंगी और लाल रंग के पवित्र निशान लेकर बाबा के जयकारों के साथ पदयात्रा करेंगे।

किरण मनीष सेन ने बताया कि निशान यात्रा के पूर्व दिनौंक 26 फरवरी को संध्या 7 बजे सत्तीचौरा में भजन संध्या का आयोजन किया गया है जिसमें गोदिया महाराष्ट्र के प्रसिद्ध भजन गायक सुनील कालोया एवं सागर मांगोलिया द्वारा बाबा के सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी जावेगी।

सर्वसमाज का सहयोग, शहर में भक्तिमय माहौल

निशान यात्रा को लेकर दुर्ग शहर में उत्साह चरम पर है। सभी समाजों के लोग इस धार्मिक आयोजन में बढ़-चढ़कर सहयोग कर रहे हैं। फाल्गुन एकादशी पर दुर्ग नगरी श्याम भक्ति के रंग में रंगी नजर आएगी और यह आयोजन आने वाले वर्षों के लिए एक नई धार्मिक परंपरा की नींव रखेगा।

निशान यात्रा यात्रा प्रातः 7 बजे श्री सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर, गंजपारा, दुर्ग से शनिचरी बाजार, सदर बाजार, इंदिरा मार्केट, पोलसाय पारा चौक, स्टेशन रोड, अग्रसेन चौक, शहीद चौक, धमधा नाका ओवरब्रिज के ऊपर से कादंबरी नगर श्री श्याम मंदिर पहुंचेगी।

खास खबर

आरटीई के तहत मंत्री के दिए गए जवाब पर विधानसभा में मचा बवाल

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र के दौरान स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव द्वारा शिक्षा के अधिकार (RTE) कानून को लेकर दिए गए जवाब पर विवाद खड़ा हो गया है। अकलतरा विधायक राघवेंद्र कुमार सिंह के सवाल पर मंत्री ने सदन में कहा कि आरटीई के तहत अब केवल कक्षा पहली में प्रवेश दिया जा रहा है और नर्सरी में भर्ती बंद कर दी गई है, क्योंकि यह कानून 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों पर लागू नहीं होता।

छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिष्टोफर पॉल ने मंत्री के इस बयान को भ्रामक और आरटीई कानून की गलत व्याख्या बताया है। श्री पॉल ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को पत्र लिखकर मंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन की कार्यवाही की मांग की है। धारा 12(1)(ग) का उल्लंघन आरटीई कानून की स्पष्ट व्याख्या है कि यदि कोई स्कूल पूर्व-प्राथमिक (नर्सरी/केजी) संचालित करता है, तो वहां भी 25% सीटें आरक्षित करना अनिवार्य है।

एक ओर विभाग स्वयं 5 वर्ष के बच्चों को कक्षा पहली में प्रवेश की अनुमति दे रहा है, वहीं मंत्री सदन में 6 वर्ष से कम आयु पर कानून लागू न होने की बात कह रहे हैं, जो परस्पर विरोधी है। नर्सरी स्तर पर आरटीई प्रवेश बंद होने से हजारों गरीब और वंचित वर्ग के बच्चे निजी स्कूलों में प्रारंभिक शिक्षा के अपने कानूनी अधिकार से वंचित हो जाएंगे। श्री पॉल ने कहा कि सदन को गुमराह करना संसदीय परंपराओं के विरुद्ध है। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से आग्रह किया है कि इस प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और मंत्री द्वारा दी गई मिथ्या जानकारी पर उचित वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर 28 फरवरी व 1 मार्च को

राजनंदगाँव। श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक युवा मंडल द्वारा 28 फरवरी एवं 1 मार्च 2026 को महा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का समय प्रातः 10 बजे से शाम 4:00 बजे तक रहेगा। आयोजन स्थल जैन बगीचा, सदर बाजार, राजनंदगाँव निर्धारित किया गया है।

आयोजकों के अनुसार शिविर में प्रदेश के अनुभवी चिकित्सकों द्वारा विभिन्न रोगों की जांच एवं परामर्श निःशुल्क प्रदान किया जाएगा। शिविर में मेडिसिन, हड्डी रोग, नेत्र रोग, स्त्री रोग, दंत रोग, चर्म रोग, बाल रोग, पेट रोग, हृदय रोग तथा एक्यूप्रेशर विशेषज्ञों की सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। विशेष रूप से शुगर, बी.पी. एवं थायरॉइड के मरीज, गर्भावस्था से जुड़ी समस्याओं वाली महिलाएं, बच्चों के स्वास्थ्य व पोषण संबंधी परामर्श चाहने वाले पालक, घुटनों, कमर व जोड़ दर्द से पीड़ित मरीज, त्वचा व बालों की समस्या से ग्रसित व्यक्ति तथा हृदय व नसों से संबंधित समस्याओं वाले मरीजों से शिविर का लाभ लेने की अपील की गई है। शिविर के दौरान सभी प्रकार के डायग्नोस्टिक टेस्ट पर आकर्षक छूट भी प्रदान की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए डॉ. गोवर्धन जैन 79744-96936, जैनम बैद 90988-00100 और अध्यक्ष, युवा मंडल 99071-22033 संपर्क कर सकते हैं।

छत्तीसगढ़ियों के लिए विश्वासघात है यह बजट : वैष्णव

राजनंदगांव। छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार की तीसरी बजट 2026-2027 पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व जनपद सदस्य व जिला किसान महामंत्री योगेन्द्र दास वैष्णव ने कहा कि डबल इंजन की सरकार की जमीनी हक़ीक़त में कुछ और दिखता है यह बजट छत्तीसगढ़ियों को पीछे धकेलना वाला बजट है। इस बजट में कुल बढ़ोतरी 7000 करोड़ की हुई है परंतु रोजगार सृजन के लिए कोई रोड मैप नहीं है, इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए कोई स्पष्ट योजना नहीं है, प्रदेश के संविदा कर्मचारियों को 3 माह से वेतन नहीं मिला तथा वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, परित्यता पेंशन, विकलांग पेंशन तीन माह से नहीं मिला है। अब वीबी जी राम जी जी जैसी योजना के नाम पर राज्य सरकार से 1600 करोड़ खर्च करने उम्मीद की जा रही है बजट देखकर साफ पता चलता कि राज्य सरकार इतना खर्च करने में समझ नहीं है इसका सीधा असर ग्रामीण छत्तीसगढ़ में रोजगार के अवसरों में कमी और इफ्रास्ट्रक्चर विकास के रफ़्तार पर पड़ेगा। राजनांदगांव जिलेवासियों के बजट में कोई विशेष नजर नहीं आ रहा है। छत्तीसगढ़ियो के साथ बजट छलावा नजर साफ आ रहा है। छग की विष्णुदेव सरकार प्रदेश के किसानों, युवाओं व महिलाओं के साथ विश्वासघात किया है।

तुगलकी फरमान : पीड़ित दंपत्ति का हुक्का पानी बंद, पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा से शिकायत

प्रताड़ित

झूठी शिकायत कर नौकरी से भी निकलवाया, पीड़ित दंपति पर बीस हजार रूपये दण्ड भरने लगातार बनाया जा रहा दबाव

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

घटना डोंगरगांव के अरसीटोला की है, जहां ग्राम समिति और उनके चार पदाधिकारियों के द्वारा एक दंपति को समाज से बहिष्कृत कर उनका हुक्का-पानी बंद कर दिया गया है। इतना ही नहीं उनकी झूठी शिकायत से दंपति को नौकरी से भी हाथ धोना पड़ा है। पीड़ित दंपति पर बीस हजार रूपये दण्ड भरने का भी लगातार दबाव बनाया जा रहा है। दण्ड की राशि न भरने पर और भी सख्ती दिखाने की धमकियां दी जा रही है। ग्राम समिति की लगातार प्रताड़ना से तंग आकर पीड़ित दंपति ने मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा से कर न्याय की गुहार लगाई है।

एक ओर हम न्याय की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं और संवैधानिक प्रावधानों के तहत समानता और स्वतंत्रता की दुहाई देते फिरते हैं, इन्हीं सब के बीच, आज भी अंधेर नगरी और चौपट राजा जैसे किस्से यदा कदा सुनाई दे रहे हैं। ऐसा ही एक ताजा मामला ग्राम समिति के तुगलकी फरमान का आया है, जिसमें ग्राम समिति के द्वारा एक पीड़ित दम्पत्ति का हुक्का पानी बंद कर बार बार प्रताड़ित करने का आरोप लगा है। इसमें पीड़ित कौशल कुंजाम ग्राम कोकपुर में रोजगार सहायक के पद पर एवं पीड़िता श्रीमती सरिता कुंजाम आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक-02 में कार्यरत थी। झूठी शिकायत कर उन्हें नौकरी से भी निकाल दिया गया।

अपनी शिकायत में पीड़ित दंपत्ति कौशलराम कुंजाम और श्रीमती सरिता कुंजाम ने लिखा है कि, नवनियुक्त ग्राम समिति के पदाधिकारी आरोपी लोकचंद मंडावी आत्मज बिसौहा मंडावी, कृपाराम लाउने आत्मज जगतराम लाउने, टीकमचंद आत्मज गोरेलाल, उदयराम आत्मज जैनराम गोंड द्वारा दंपति को समाज से बाहर कर उनका हुक्का पानी बंद कर दिया गया है। इतना ही नहीं आरोपीद्वय द्वारा झूठी शिकायत कर दंपति को नौकरी से भी निकलवा दिया है और अब दंपति पर बीस हजार रूपये अथर्दड भरने का दबाव बनाया जा रहा है।

पीड़ित का आरोप है किए ग्राम समिति के पदाधिकारी कोई न कोई नया बहाना ढूंढकर उन्हें प्रताड़ित करने का अवसर ढूंढते रहते हैं और प्रताड़ित करने से बाज नहीं आते हैं। ग्राम समिति के उक्त आरोपी पदाधिकारी सरपंच पर जबरिया दबाव बनाकर उनकी स्वयं की जमीन में बने आठ कमरे के नवनिर्मित कॉम्प्लेक्स को जबरदस्ती नाप कराकर और षड्यंत्र के तहत उसे अवैध बताकर तुड़वा भी दिया गया। आरोपियों के द्वारा पहले तो दंपति को यह झूठा भरोसा दिलाया गया कि, अगर दंपति दस हजार रुपए दंड स्वरूप अदा करती है तो उनका नवनिर्मित कॉम्प्लेक्स नहीं तोड़ा जाएगा, किन्तु नवनिर्मित कॉम्प्लेक्स भी तोड़ दिया गया और कॉम्प्लेक्स तोड़ देने के बाद भी दस हजार रुपए दण्ड भरने का उन पर लगातार दबाव बनाया जाने लगा। दण्ड न भरने की स्थिति में समाज से बाहर कर हुक्का पानी बंद कर देने की धमकी भी दी गई और अंततः समाज से बहिष्कृत कर दिया गया। आरोपी पदाधिकारियों का इतने से भी मन नहीं भरा तो दंपति के ऊपर झूठी शिकायत कर नौकरी से निकलवा दिया गया।

ग्राम समिति के पदाधिकारियों पर यह भी आरोप लगा है कि, गाँव की ही एक अन्य महिला श्रीमती रब्राकला धनकर जो किए आंगनबाडी केन्द्र क्रमांक-01 में कार्यरत है। वर्ष 2024 में उनके ससुर की मृत्यु हो जाने पर उनके अंतिम संस्कार में शामिल न होने का ग्राम समिति के द्वारा तुगलकी फरमान इस बात का हवाला देते हुए जारी कर दिया गया कि, वह इसाई धर्म को मानती है। ग्राम की आंगनबाडी सहयिका चित्ररेखा नायक एवं गीता उईके को भी रब्राकला धनकर से बात करने की मनाही कर दी। इतना ही नहीं रब्राकला धनकर से किसी भी व्यक्ति के द्वारा बात किए जाने पर ग्राम समिति ने पाँच हजार रूपये का अथर्दड घोषित किया है।

पीड़ित ने बताया कि, एक मतर्बा रत्लाकला धनकर से बात करने के दण्ड स्वरूप, ग्राम समिति द्वारा आंगनबाड़ी में ताला जड़ दिया गया और पीड़िता सरिता कुंजाम को भी पिछले आठ महीने से नौकरी से निकाल दिया गया। ऐसा नहीं है कि, ग्राम समिति केवल पीड़ित दंपति को ही परेशान कर रही है गांव के कुछ और भी लोग उनके निशाने पर है। आंगनबाड़ी सहायिका चित्ररेखा नायक और गीता उईके को पांच हजार रूपये अथर्दड देने का दबाव बनाया गया और समाज से बहिष्कृत कर देने का धौंस दिखाया गया, इस प्रकार से ग्राम समिति अपनी मनमानी पर उतर आई है और जैसा चाहे वैसा फैसला सुनाकर पीड़ित और अन्य परिवारों को बेवजह परेशान कर रही है।

हद तो तब हो गई जब बीते दिनों पीड़ित दम्पत्ति को फिर से बैठक मे बुलाकर पुराने दण्ड का हवाला देते हुए पंद्रह हजार रूपये और पाँच हजार रूपये का अतिरिक्त अर्थदण्ड जोड़कर कुल बीस हजार रूपये वसूलने का जबरिया दबाव बनाया जा रहा है। इस प्रकार से एक के बाद एक नए-नए दण्ड पीड़ित दंपति पर थोपे जा रहे हैं। ऐसे में जहां दम्पति का रोजगार ही छीन गया है, ग्राम समिति के द्वारा लगाए गए अथर्दड की भरपाई कैसे करेगा। एक वैसे ही उन पर रोजी-रोटी का संकट बना हुआ है और ऊपर से ग्राम समिति के एक के बाद एक तुगलकी फरमान से पीड़ित दंपति और उनका परिवार आर्थिक और मानसिक तनाव से गुजर रहा है।

स्व. भोपाल सिंह की स्मृति में हुआ पत्रकार सम्मान समारोह

कार्यक्रम

रायगढ़ स्थित ग्राम नेतनागर में हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

रायगढ़ स्थित ग्राम नेतनागर के प्रसिद्ध बुजुर्ग स्व. भोपाल सिंह की स्मृति में पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन ग्राम नेतनागर के रहवासियों द्वारा आयोजित किया गया। उक्त समारोह में शहर एवं देहात से जुड़े हुए लगभग 100 पत्रकार शामिल हुए। कार्यक्रम के संयोजक सरदार लछ्छू सिंह ने बताया कि मीडिया जगत से स्व. भोपाल सिंह एवं उनका परिवार लगातार जुड़ा रहा।

इस दौरान उन्होंने पाया कि मीडिया अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निर्वहन करता है। जिसके चलते स्व. भोपाल सिंह जी की पुण्यतिथि के अवसर पर समाज में मीडिया के योगदान को याद करते हुए पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार सुभाष त्रिपाठी, रमेश अग्रवाल, रामचन्द्र शर्मा आदि ने संबोधन किया। समाजसेवी जगदीश मेहर, सुरेन्द्र पंडा, डॉ. रामकुमार पटेल, नीलकंठ साहू, किशोर कसेर आदि ने भी स्व. भोपाल सिंह की स्मृतियों को ताजा किया। स्व. भोपाल सिंह के व्यवहार एवं कर्मठ चरित्र के बारे में सबने गुणगान किया। कार्यक्रम में स्व. भोपाल सिंह की फोटो पर पत्रकारों के द्वारा माल्यार्पण किया गया। अंत में जलपान कर सम्मान समारोह संपन्न हुआ।

स्कूलों में 'यू-शेप' से बच्चों में खत्म हूई झिझक

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन रायपुर द्वारा 'Project U-Shape' आरंभ किया गया है। जिसके तहत आरंग विकासखण्ड के शासकीय प्राथमिक शाला गिधवा में वर्षों से चली आ रही पारंपरिक बैठने की व्यवस्था को बदलते हुए स्कूलों में नई बैठक व्यवस्था प्रस्तुत की गई है। अब बच्चे पंक्तियों में पीछे छूटने के बजाय यू-आकार में बैठते हैं, जहाँ हर छात्र शिक्षक की सीधी दृष्टि में होता है। ब्लैकबोर्ड-केंद्रित व्यवस्था के स्थान पर यह पूर्णतः छात्र-केंद्रित मॉडल है, जो सक्रिय अधिगम (Active Lerning) को बढ़ावा देता है। यू-शेप में बैठने से विद्यार्थियों के बीच आपसी संवाद (Peer Lerning) में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बच्चे एक-दूसरे को देखते और सुनते हुए चर्चा में भाग लेते हैं। इससे झिझक कम हुई है और आत्मविश्वास में वृद्धि देखी गई है।

मुख्यमंत्री साय से छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

मुलाकात

बजट में अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए कैशलैस चिकित्सा सुविधा की घोषणा पर जताया मुख्यमंत्री का जताया आभार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से आज यहां छत्तीसगढ़ विधानसभा स्थित उनके कार्यालय कक्ष में छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य बजट में कर्मचारियों एवं अधिकारियों के लिए कैशलैस चिकित्सा सुविधा शामिल किए जाने पर अभिनंदन करते हुए आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री श्री साय से छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा ने कहा कि यह निर्णय कर्मचारी वर्ग एवं उनके परिवारों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। गंभीर बीमारी की स्थिति में आर्थिक चिंता से मुक्ति मिलना एक ऐतिहासिक एवं कर्मचारी हितैषी कदम है। उन्होंने कहा कि फेडरेशन सरकार के इस संवेदनशील निर्णय का स्वागत करता है तथा आशा करता है कि भविष्य में भी कर्मचारी हितों को इसी प्रकार प्राथमिकता दी जाती रहेगी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारी सरकार अधिकारियों-कर्मचारियों के हितों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। कैशलैस चिकित्सा सुविधा का लाभ शासकीय कर्मचारियों और उनके परिवारों को मिलेगा। मेडिकल लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया के सरलीकरण से कर्मचारीगण अपने और अपने परिवार की स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर निश्चिंत रहेंगे, जिसका सकारात्मक प्रभाव उनकी कार्य गुणवत्ता पर भी पड़ेगा।

प्रतिनिधिमंडल में कमल वर्मा (प्रांतीय संयोजक), सुनील उपाध्याय, जय कुमार साहू, राजेश सिंघी, संतोष कुमार वर्मा, संजीत शर्मा, देवाशीष दास, लोकेश वर्मा, अमित शर्मा, श्रीमती सोनाली तिडके, आकाश त्रिपाठी, जगेश्वर भट्ट, दीपक सोनकर, प्रवीण सिंह एवं श्रीमती निशा यादव उपस्थित रहे।

अटल वयो अभ्युदय योजना: बेहतर दृष्टि के साथ नई उम्मीद की शुरुआत

जिले के 12 वरिष्ठ नागरिकों का मोतियाबिंद (कैटरैक्ट) का कराया सफल ऑपरेशन

नई दृष्टिबिंदु / धमतरी

छत्तीसगढ़ शासन के समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित अटल वयो अभ्युदय योजना के अंतर्गत जिले के 12 वरिष्ठ नागरिकों का मोतियाबिंद (कैटरैक्ट) का सफल ऑपरेशन कराया गया। सभी हितग्राहियों का निःशुल्क शल्यचिकित्सा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा आधुनिक तकनीक से संपन्न हुई। ऑपरेशन के पश्चात सभी हितग्राहियों की स्वास्थ्य स्थिति सामान्य एवं संतोषजनक है तथा उनकी दृष्टि में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है।

समाज कल्याण विभाग द्वारा पूर्व स्वास्थ्य परीक्षण, आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया, परिवहन एवं समन्वय की समुचित व्यवस्था कर चयनित वृद्धजनों को एम्स रायपुर भेजा गया। शल्यक्रिया के बाद चिकित्सकीय परामर्श, दवा वितरण एवं नियमित फॉलोअप की भी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि लाभार्थियों को निरंतर स्वास्थ्य लाभ मिलता रहे।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिले के सभी विकासखंडों में विशेष सर्वे अभियान चलाकर जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों की पहचान सुनिश्चित की जाए। पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध रूप से योजना का लाभ दिलाने के साथ-साथ ऑपरेशन उपरांत देखभाल की भी सतत निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि अटल वयो अभ्युदय योजना वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण पहल है। प्रशासन का प्रयास है कि जिले का कोई भी जरूरतमंद वृद्धजन उपचार से वंचित न रहे।

इस पहल से लाभान्वित हितग्राहियों ने शासन एवं प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बताया कि अब उन्हें स्पष्ट दृष्टि के साथ दैनिक कार्यों में आत्मनिर्भरता महसूस हो रही है। बेहतर दृष्टि मिलने से उनके जीवन में नई आशा और आत्मविश्वास का संचार हुआ है। ऑपरेशन से लाभान्वित हितग्राहियों में श्री दुजराम साहू (ग्राम बोडरा), केशव यादव (ग्राम डोमा), राम कुमार कुर्रे (ग्राम करेटा), कार्तिक राम देवांगन (ग्राम भटगांव), ईश्वर चंद क्रिस्टी (ग्राम जोधापुर, धमतरी), श्रीमती बिसाखा साहू (ग्राम तरसींवा), नरेश कुमार ध्रुव (ग्राम नगरी, वार्ड 06), नंद कुमार (ग्राम पंडरीपानी, छिपलीपारा नगरी), महेन्द्र कुमार सोनी (ग्राम डीहीपारा, नगरी), पुखराज देवांगन (ग्राम नगरी), श्रीमती दुलारी बाई (ग्राम सांकरा, मगरलोड) एवं झुमुक लाल (ग्राम बकोरी, मगरलोड) शामिल हैं।

उप संचालक, समाज कल्याण विभाग ने जानकारी दी कि आगामी चरणों में भी पात्र वरिष्ठ नागरिकों को चिन्हित कर निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे स्वस्थ, सक्रिय एवं सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर सकें।

!!न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग!!

-:: ईश्तहार::-

रा.प्र.क. ब-121 वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अब्दुल खान पिता स्व० नवाब खान निवासी माडल टाउन भिलाई द्वारा अपने पिता नवाब खान पति अब्दुल रसीद खान का मृत्यु दिनांक 17.09.1996 को को होने के कारण एवं भूलवश मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं बन पाने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र बनाये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 28.02.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09.02.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

!!न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग!!

-:: ईश्तहार::-

रा०प्र०क्र० 2026021010001/अ-6 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मोनिका प्रीति कुजूर पिता स्व० मरियानुस निवासी कृतय भिलाई द्वारा ग्राम कुरूद प.ह.नं. 46 स्थित भूमि ख.नं. 1420/38 रकबा 0.030 है. भूमि आवेदक के पिता के नाम पर दर्ज है भूमिस्वामी की मृत्यु हो जाने से भूमिस्वामी का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारीसानो का नाम दर्ज किये जाने के संबंध में आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दाना हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 09.03.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13.02.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

बच्चों में बढ़ रहा अकेलापन

यदि हम स्वयं से एक प्रश्न पूछें कि क्या इस दौर के बच्चों और किशोरों में भावनात्मक अकेलापन बढ़ रहा है? तो जवाब होगा जी हां बिल्कुल! कहने को तो चारों तरफ बहुत हलचल है। ये रफ्तार का जमाना है। लिहाजा बच्चे भी कहीं खत्म न होने वाली एक अनंत दौड़ में शामिल हो गए हैं। स्कूल के घंटे खत्म हुए कि कोचिंग क्लास जाना है। परीक्षा खत्म हुई और लो फिर स्कूल शुरू।

मस्ती में दिन गुजारने वाली छुटियां अतीत की बात हो गई। आज का बच्चा तो रथों की रेस का घोड़ा है जो हर दम जुता हुआ है। उसकी वल्याएं अभिभावकों, शिक्षकों और उन शिक्षाविदों के हाथ में है जिन्होंने आज के बच्चों की जिंदगी में छुटटी का पीरियड ही नहीं बनाया। बच्चे अपने दोस्त और सहेलियां पहले भी बनाते थे और अब भी बनाते हैं। आज भी उनका कोई एक मित्र होता है जो घनिष्ठ मित्र होता है या दो-तीन मित्रों का ऐसा समूह होता है जो एक दूसरे को समझते, जानते, चाहते हैं। मगर पढ़ाई का बोझ, कुछ कर गुजरने और शीर्ष पर रहने की अपेक्षाओं का बोझ दोस्तों से इनकी भावनात्मक निकटता को फलने-फूलने का समय नहीं देता। इनका समय एक दूसरे से नोट्स का आदान-प्रदान करने में जितना जाता है उतना समय वे एक-दूसरे से मन की बात करने में नहीं निकाल पाते। संयुक्त परिवार टूट गए हैं। अब घर पर भी बच्चे समूह में नहीं रहते। पिछले बीस वर्षों में जमाना इतना बदला है कि अक्सर पढ़े-लिखे माता-पिता का भी अपने बच्चों से स्पष्ट जनरेशन गैप होता है। अतः किशोर माता-पिता से मन की बात नहीं कह पाते। उन्हें पता है कि वे और माता-पिता संस्कारों के दो अलग छोरों पर खड़े हैं अतः उन्होंने मन की बात कह भी दी तो मां-बाप पचा नहीं पाएंगे। आज के किशोरों की दोस्ती वर्चुअल माध्यम पर भी चलती रहती है। बच्चे पर अच्छी प्रोफाईल बनाने और अच्छा स्टेटस डालने का भी दबाव रहता है। आज का बच्चा 'पीयर प्रेशर' में ही बहुत से काम करता है। उसे दोस्तों को दिखाना, मां-बाप की अपेक्षाएं पूरी करनी है, उपभोक्ता संस्कृति के अनुरूप जीवन जीना है। आज बचपन और किशोरावस्था जटिलताओं से भर गए हैं। लिहाजा हर दूसरे-चौथे दिन किसी किशोर अथवा किशोरी द्वारा आत्महत्या कर लेने की खबरें आती हैं। ये खबरें बाकी माता-पिता, शिक्षकों और समाज के लिए खतरे की घंटी होना चाहिए ताकि वे यह सोचें कि बच्चे के लिए कैरियर के जितनी ही महत्वपूर्ण परिवार से मिलने वाली भावनात्मक सुरक्षा, प्यार और हर हाल में अपनाए जाने का विश्वास भी है। कभी भी बच्चों को यह ताने नहीं मिलना चाहिए कि देखो हम तुम्हारे लिए कितना करते हैं और तुम हो कि अच्छा रिजल्ट नहीं लाते। बच्चों को बार-बार यह एहसास दिलाना उनमें ग्लानि भाव पैदा करता है और जो अंततः अवसाद में भी परिणित हो सकता है।

आर्थिक प्रबंधन में रखें पूरी भागीदारी

बदलते वक्त के साथ अब महिलाओं को आर्थिक प्रबंधन में भी पूरी भागीदारी रखनी चाहिए। गृहिणी हों या कामकाजी, दोनों ही स्थितियों में यह जरूरी है कि स्त्रियां अपने वित्तीय पक्ष को मज़बूत करें।

खुद को जानकार बनाएं

सबसे पहले वित्तीय फैसलों में अपनी जानकारी बढ़ाएं। वित्त संबंधी किताबों, खबरों और ऑनलाइन विशेषज्ञों की मदद से जानकारी इकट्ठी करें।

बजट प्रबंधन में भाग लें

परिजनों के मध्य आर्थिक और वित्तीय पहलुओं की चर्चा में शामिल रहें। बच्चों की उच्च शिक्षा, शादी-विवाह और घरेलू व्यय आदि, ये कुछ ऐसे बड़े खर्चे हैं, जिनके लिए धन जुटाने के लिए आपकी भी सहमति और सहयोग आवश्यक है। ध्यान रखें कि चर्चा से आप बेहतर विकल्प खोज सकती हैं और आर्थिक आपदा को भी लाभ के अवसर में बदल सकती हैं।

बजट बनाएं, अमल करें

वित्तीय प्रबंधन की पहली सीढ़ी है, अपने आय-व्यय का ब्योरा रखना अर्थात बजट बनाना। बजट बनाने के बाद उस पर अमल करना भी जरूरी है। एक कहावत है कि 'तेते पांव पसारिए, जेती लांबी सौर' अर्थात आय के अनुसार ही खर्चों को सीमित करें। यदि अतिरिक्त खर्च अपरिहार्य हैं, तो उन्हें पूरा करने के लिए सुलभ विकल्पों पर विचार करें।

आकस्मिक कोष बनाएं

मुसीबत कभी कहकर नहीं आती। अनपेक्षित आने वाले खर्चों के लिए एक आकस्मिक कोष का निर्माण करें। इससे आप कठिन परिस्थितियों में भी अपनी आर्थिक ज़िम्मेदारियों को पूरा कर सकेंगी। इसके लिए एकमुश्त अथवा धीरे-धीरे धन जमा करें और उसे एक अलग बैंक खाते में रखें।

बचत भी आय है

कई गृहिणियां यह कहती हैं कि उनकी कोई आय नहीं है। वास्तव में बचत भी आय का एक स्वरूप है। छोटी-छोटी बचत लंबे समय में एक अच्छा कोष एकत्र करने में आपकी मदद कर सकती हैं।

भूख लगने पर शिशु देता है कुछ ऐसे संकेत

शिशु बोलकर आपको अपनी बात या जरूरत नहीं समझा सकता है इसलिए इतने छोटे बच्चे की बात आपको ही समझनी पड़ती है। बड़े बच्चों को जब भी भूख लगती है, वो बोलकर आपको बता देते हैं लेकिन नन्हे शिशु की बात और जरूरत को समझना मुश्किल होता है क्योंकि ये सिर्फ रोकर ही अपनी बात कहते हैं और अभी इन्होंने बोलना शुरू नहीं किया होता है। नवजात शिशु बोलकर अपनी बात नहीं कर सकता है लेकिन वो कुछ संकेतों की मदद से आपको अपनी जरूरत के बारे में जरूर बताता है। अब आपको उसकी बात समझनी होगी।

शिशु से मिलने वाले कॉमन साइन

अगर बच्चा जागा हुआ है और एलर्ट दिख रहा है, तो यह इस बात का साफ संकेत है कि उसे भूख लगी है। आपकी अटेंशन पाने के लिए शिशु अपने शरीर को हिलाता है। वो अपने पैर और हाथ इधर-उधर मारेगा।

पहली बार पेरेंट बने

अगर आप पहली बार पेरेंट बने हैं, तो शिशु की भाषा को समझना आपके लिए थोड़ा मुश्किल हो सकता है। शुरुआत में आपको इसमें दिक्कत हो सकती है लेकिन धीरे-धीरे आप सब सीख जाएंगे। शिशु की बात समझने में सबसे ज्यादा दिक्कत आती है कि बच्चे को कब भूख लगी है। अगर आपका बच्चा यहां बताए गए कुछ संकेत दे रहा है, तो समझ लें कि उसे भूख लगी है।

कैसे समझें शिशु के संकेत

यदि शिशु लगातार अपनी उंगलियों को मुंह में ले रहा है, तो समझ लें कि उसे दूध पीना है। जब बच्चे को बहुत तेज भूख लगती है, तब वो अपना सिर हिलाने लगता है। बेचैन होने पर बच्चा मुंह भी बनाने लगता है। तेज से रोने का भी यही मतलब है कि शिशु को भूख लगी है। भूख लगने का यह सबसे स्पष्ट संकेत होता है।

दूध पीने के बाद भी रोए तो

नन्हा शिशु रोकर ही अपनी बात कहता है और भूख लगने का सबसे स्पष्ट संकेत भी वो रोकर ही देता है लेकिन कई बार शिशु के रोने की कोई और वजह भी हो सकती है। अगर दूध पीने के बाद भी बच्चा रो रहा है, तो इसके पीछे कोई और कारण हो सकता है। कई शिशु दूध पीने के बाद सोना चाहते हैं इसलिए दूध पिलाने के बाद बच्चे को सुलाने की कोशिश करें।

शिशु के रोने के कारण

आमतौर पर शिशु दिन में सबसे ज्यादा बार भूख लगने पर ही रोता है। वो रोकर आपको यह बताने की कोशिश करता है कि उसे भूख लगी है और दूध पीना है। लेकिन हर बार या हर रोज शिशु भूख की वजह से ही रो रहा है, ये जरूरी नहीं है। पेट दर्द या गैस की वजह से भी शिशु रो सकता है। कई घंटों तक शिशु के रोने की वजह कोलिक पेन भी हो सकता है। अगर आपको शिशु के रोने की वजह समझ नहीं आ रही है तो एक बार डॉक्टर को दिखा लें।

डॉक्टर को कब दिखाएं

अगर बच्चा कुछ दिनों से लगातार रोकर भूख लगने का संकेत दे रहा है, तो आपके एक बार पीडियाट्रिशियन को दिखा लेना चाहिए। वहीं अगर शिशु को बहुत ज्यादा नींद आ रही है या दूध पिलाने के लिए हर समय आपको उसे उठाना पड़ता है, तो भी आपको डॉक्टर से चेकअप करवाना चाहिए।

स्टेनलेस स्टील से जंग हटाने के लिए अपनाएं यह आसान टिप्स

स्टेनलेस स्टील, एक ऐसा मैटीरियल है, जिसका लगभग हर घर में इस्तेमाल होता है। आपको अपने घर की किचन में ही स्टेनलेस स्टील के कई प्रॉडक्ट्स देखने को मिलेंगे और यह केवल बर्तनों तक ही सीमित नहीं है। न केवल रसोई में, बल्कि स्टेनलेस स्टील के कई अन्य महत्वपूर्ण उपयोग भी हैं जैसे कि इसे पानी के नल, कृषि उपकरण और कई चीजों को बनाने में भी इस्तेमाल किया जाता है। स्टेनलेस स्टील के व्यापक उपयोग का एक सबसे बड़ा कारण यह भी है कि इसमें न केवल लागत कम आती है, बल्कि यह जंग के लिए भी प्रतिरोधी है। दरअसल, इसकी सतह पर एक क्रोमियम फिल्म होती है, जिसके कारण यह जंग प्रतिरोधी है। यही कारण है कि स्टेनलेस स्टील पानी और ऑक्सीजन के संपर्क में आने के बाद भी चमकदार रहता है। लेकिन जैसे ही यह क्रोमियम फिल्म स्टेनलेस स्टील की सतह से हटती है, इसमें जंग लगना शुरू हो जाता है। तो चलिए आज हम यहां आपको कुछ ऐसे तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जिनके जरिए आप स्टेनलेस स्टील से जंग हटा सकते हैं-

बेकिंग सोडा का इस्तेमाल

बेकिंग सोडा की मदद से स्टेनलेस स्टील से जंग बेहद आसानी से हटाया जा सकता है। हालांकि इस तरीके को अपनाकर आप छोटे हिस्से से जंग को हटा सकते हैं। इसके लिए आपको 1 चम्मच बेकिंग सोडा 2 कप पानी, एक नरम साफ सूती कपड़ा और एक टूथब्रश की आवश्यकता होगी। इस तरीके को अपनाकर आप सबसे पहले 1 चम्मच बेकिंग सोडा को एक कप पानी में मिलाएं। अब टूथब्रश की मदद से, जंग से प्रभावित हिस्से को रगड़ें। बेकिंग सोडा को नॉन-एब्रेसिव होने के लिए जाना जाता है और इसलिए यह स्टील की सतह से जंग को धीरे से हटा देगा। एक बार जब जंग के दाग साफ हो जाएं तो आप इसे सामान्य पानी से धो सकते हैं और फिर कपड़े की मदद से इसे पोंछें। वहीं अगर एक बड़ा हिस्सा जंग से प्रभावित है तो यह स्टेप्स आपके काम नहीं आएंगे, बल्कि आप इन स्टेप्स को फॉलो करें। इसके लिए आप सबसे पहले सतह को धोएं जैसे कि स्टेनलेस स्टील से बने बड़े कंटेनर को सबसे पहले वॉश करें। सुनिश्चित करें कि आप किसी भी प्रकार के पदार्थ को इससे हटाते हैं। अब स्टेनलेस स्टील उत्पाद के प्रभावित क्षेत्र पर कुछ बेकिंग सोडा छिड़कें। सुनिश्चित करें कि प्रभावित एरिया बेकिंग सोडा के साथ कवर किया गया है। अब इसे 25-30 मिनट तक ऐसे ही रहने दें। अब

आपको बेकिंग सोडा वाले क्षेत्र को स्क्रब करने की आवश्यकता है। इसके लिए आप एक पुराने टूथब्रश का उपयोग कर सकते हैं। हालांकि, ध्यान रखें कि आपको बहुत अधिक आक्रामकता से नहीं, बल्कि धीरे से रगड़ना है। जब आप स्टील की सतह को छोड़ते हुए जंग को देखते हैं, तो आप इसे सामान्य पानी से धो दें। अंत में, इसे एक सूती कपड़े से पोंछ लें।

सिरका का इस्तेमाल

यह एक और तरीका है जिसके द्वारा आप स्टेनलेस स्टील से जंग हटा सकते हैं। आपको बस इतना करना होगा कि प्रभावित जगह पर सिरका लगाएं और इसे सूखने दें। फिर आप टूथब्रश की मदद से इस क्षेत्र को धीरे से साफ कर सकते हैं। इसके बाद, आप सतह को सामान्य पानी से धो सकते हैं और कपड़े की मदद से इसे पोंछ सकते हैं। आप देखेंगे कि जंग पूरी तरह से साफ हो गया है।

बचपन से सही हों खानपान की आदतें

बच्चों की खानपान की आदतें अब कमोबेश हर घर में चिंता का विषय बनती जा रही हैं। बार-बार कहने पर भी फल-सब्जियां ना खाना और जंक फूड खाने की जिद करना आजकल आम है। जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते हैं उनकी यह जिद और खाने की चीजों को लेकर किया जाने वाला चुनाव ज्यादा अजीबो-गरीब होता जाता है। अभिभावक चिंता तो करते हैं पर एक समय के बाद वे चाहकर भी बच्चों की खानपान की आदतें नहीं सुधार सकते। नतीजा यह होता है कि ये छोटी-छोटी आदतें आगे चलकर बीमारी की बुनियाद बन जाती हैं। इसलिए जरूरी है कि वे समय रहते चेतें। बचपन से ही खानपान की आदतों पर ध्यान दें ताकि आगे चलकर बच्चों की सेहत को नुकसान ना पहुंचे।

सही पोषण के बारे में बताएं

आजकल बच्चे जबरदस्ती थोपे जाने से कोई काम नहीं करते। इसलिए अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को जो कुछ भी करने को कहें उस काम के फायदे भी समझाएं। धैर्य और सूझबूझ के साथ उन्हें सही पोषण के बारे में बताएं। साथ ही खाने-पीने की अस्वस्थ आदतों को लेकर होने वाले नुकसानों की भी जानकारी दें। यह चिंता का विषय है कि आजकल कम उम्र में ही बच्चों को कई बीमारियां घेर रही हैं। जिसकी सबसे बड़ी वजह अस्वस्थ जीवनशैली ही है। इस अजब- गजब लाइफस्टाइल में खानपान की बिगड़ी आदतें सबसे अहम हैं। इसलिए बच्चों को सेहतमंद बनाने के लिए उन्हें सही पोषण वाला खाना खाने के लिए समझाइश दें।

बच्चों को स्नैक अटैक जैसी आदतों से बचाएं। जो आजकल आम हो चली हैं। छोटी उम्र में ही उन्हें सही और स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद खाने के बारे में जानकारी देना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि बचपन में जो स्वास्थ्य समस्याएं बच्चों को घेर लेती हैं वे जिंदगी भर पीछा नहीं छोड़तीं। इनमें मोटापे जैसी तकलीफ सबसे ऊपर है। अध्ययन बताते हैं कि बचपन में मोटे रहे लोगों में से 50 से 80 फीसदी बड़े होने पर भी मोटापे के शिकार रहते हैं। ध्यान रहे है कि उम्र कोई भी हो मोटापा अपने आप में कई दूसरी स्वास्थ्य समस्याओं की जड़ है। हाल ही में आ रही सभी रिपोर्ट्स कमोबेश यही बताती हैं कि दुनिया भर में मोटापे के मामले बढ़ रहे हैं। बच्चे खासतौर पर बढ़ते वजन की समस्या से प्रभावित हो रहे हैं। जाहिर है, इस वजह से कम उम्र में ही सेहत से जुड़ी तमाम परेशानियां भी बढ़ रही हैं।

कीजिए सेहत के खतरों का जिक्र

बच्चे खुद अपने स्वास्थ्य और सेहत के लिए सजग नहीं हो सकते। ना ही वे खान-पान की गलत आदतों के खतरों को समझ सकते हैं। उनका मासूम मन केवल स्वाद जानता है। इसलिए उन्हें सेहत के लिए खतरा पैदा करने वाली इस राह पर चलने से रोकने का काम मम्मी-पापा को ही करना होता है। इसके लिए आप उन्हें जंक फूड से होने वाले नुकसान प्यार से समझाएं। अगर उन्हें बाहर का खाना ज्यादा पसंद आता है तो घर में ही स्वाद का बदलाव कर कुछ अच्छा बनाकर खिलाएं और घर के खाने के फायदे भी बताएं। उन्हें समझाएं कि घर में बनाया गया खाना साफ-सुथरा और पौष्टिकहोता है जिसके कई सारे लाभ हैं। इसका एक फायदा यह है कि बच्चों में ऐसी आदतों के जड़ें जमाने से पहले ही वे उनसे बाहर आ जाएंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि खाने की आदतें बच्चों के व्यवहार को भी प्रभावित करती हैं। इतना ही नहीं बिगड़ता खानपान अनियमित दिनचर्या की भी एक बड़ी वजह बनता है। परिणामस्वरूप छोटे-छोटे बच्चों में भी आजकल डायबिटीज जैसी बीमारियां देखने को मिल रही हैं। इस तरह की आदतों का असर कई बार मोटापे या बच्चे के वजन कम होने के रूप में भी सामने आता है। खानपान की आदतें घर परिवार के माहौल के मुताबिक भी बनती हैं। इसलिए पहले घर के बड़े अपनी दिनचर्या और आदतों में बदलाव लाएं।

हमेशा मनमानी ना करने दें

खानपान की आदतें स्वाद के साथ ही सेहत भी लिए हों, यह जरूरी है। इसलिए मनचाहा खाने की जिद करने वाले बच्चों को हर बार मनमानी ना करने दें। यदि आप घर में ही प्रोसेस्ड फूड लेकर नहीं आएंगे तो बच्चे कम से कम घर में तो बचे ही रहेंगे। बच्चों के खाने की चीजों में हरी सब्जियां और फल जरूर शामिल करें। हमेशा बच्चों की मनमानी को मान लेना सेहत ही नहीं बिगाड़ता बल्कि व्यवहार को भी उग्र बनाता है। कई बार देखने आता है कि कुछ बच्चे खाना नहीं खाने के लिए भी जिद करते हैं। समय रहते सचेत होना जरूरी है क्योंकि ऐसी आदतें आगे चलकर बच्चों के जीवन पर बुरा असर डालती है। यह चिंता का विषय है कि आज दुनियाभर में 10 प्रतिशत बच्चे ओवरवेट हैं। हमारे यहां भी ये आंकड़े तेजी से बढ़ रहे हैं।

सड़क की बदहाली से ग्रामीणों में आक्रोश, युवा कांग्रेस नेता ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

नई दृष्टिबिंदु / डोंगरगांव

विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बाकल से गुजरने वाली सड़क इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही है। सड़क की जर्जर स्थिति, गहरे गड्ढों और उड़ती धूल ने ग्रामीणों एवं किसानों का जीना मुहाल कर दिया है। इस गंभीर समस्या को लेकर युवा कांग्रेस नेता व लोधी समाज (इन्दामरा) के अध्यक्ष परमानंद वर्मा ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए एक माह के भीतर सुधार न होने पर कलेक्टर कार्यालय के घेराव की चेतावनी दी है।

प्रमुख समस्याएं और बदहाली के कारण

सड़क की दुदर्शा के कारण क्षेत्र में निम्नलिखित समस्याएं विकराल रूप ले चुकी हैं। किसानों की दुदर्शाः सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढों के कारण किसान बैलगाड़ियों से फसल और सामान ले जाने में असमर्थ हैं, जिससे उनके व्यवसाय पर बुरा असर पड़ रहा है। भारी वाहनों का दबावः बताया गया कि एबीसी कंपनी के भारी वाहन इस मार्ग से निरंतर गुजर रहे हैं, जिससे सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। प्रदूषण और स्वास्थ्यः धूल का गुबार इतना अधिक है कि राहगीरों की दृश्यता प्रभावित हो रही है, जिससे दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है।

आगामी मानसून का डर

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की स्थिति वर्षों से खराब है, लेकिन अब यह चलने लायक भी नहीं बची है। यदि बारिश से पहले मरम्मत नहीं हुई, तो यह मार्ग कीचड़ और गड्ढों के कारण पूरी तरह बंद हो जाएगा, जिससे आपातकालीन स्थितियों में गांवों का संपर्क टूट सकता है। क्षेत्र के युवाओं और किसान नेताओं ने एकजुट होकर प्रशासन से अविलंब सड़क सुधार की मांग की है ताकि क्षेत्र का विकास और ग्रामीणों का जीवन सुगम हो सके।

राजनीतिक उपेक्षा का आरोप

परमानंद वर्मा ने तंज कसते हुए कहा कि यह सड़क वतर्मान विधायक दलेश्वर साहू के क्षेत्र और गांव से लगी होने के बावजूद प्रशासन की उपेक्षा का शिकार है। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि शासन ने इस मार्ग को उसके हाल पर ही छोड़ दिया है। "यदि एक माह के भीतर सड़क की मरम्मत शुरू नहीं की गई, तो हम क्षेत्र के युवाओं और ग्रामीणों के साथ मिलकर कलेक्टर कार्यालय का घेराव करेंगे। इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।"

परमानंद वर्मा, युवा कांग्रेस नेता

खास खबर

विकास व आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाने योग्य है बजट- सौरभ जायसवाल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा भिलाई जिला अध्यक्ष सौरभ जायसवाल ने कहा छत्तीसगढ़ के निर्माण के बाद पिछले 25 वर्षों में पांच हजार करोड़ का बजट अब 35 गुना बढ़कर 1.72 करोड़ पहुंच गया है। इस बार बजट की थीम संकल्प रखी गई है और कुल बजट आकार 1.72 करोड़ है। युवाओं पर विशेष फोकस 1097 करोड़ का बजट युवाओं के लिए जारी हुआ है। राज्य के विश्वविद्यालयों को अनुदान, व्यावसायिक विस्तार के लिए 731 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। स्वामी विवेकानंद उत्कृष्ट शाला योजना के लिए 100 करोड़ रुपये।

25 नए महाविद्यालय भवन निर्माण के लिए 25 करोड़ एवं आईटीआई और पॉलिटेक्निक संस्थानों के अधोसंरचना उन्नयन के लिए 50 करोड़ रुपये तथा नए CGIT संस्थानों की स्थापना के लिए 38 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। युवाओं का बजट छत्तीसगढ़ युवा दर्शन योजना के लिए 5 करोड़ का प्रावधान। इसके अलावा CGACE (प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु सहायता) योजना के लिए 33 करोड़ रुपये और 36 इन्क्यूबेशन सेंटर एवं STPकसेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए 35 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। नालंदा पुस्तका में करियर काउंसलिंग केंद्र हेतु 10 करोड़ !
बजट में शिक्षा क्षेत्र को प्राथमिकता दी गई है। अबूझमाड़ और जगरगुंडा में दो नई एजुकेशन सिटी स्थापित करने की घोषणा की गई है, जिसके लिए 100 करोड़ रुपये का विशेष प्रावधान रखा गया है। महिला सशक्तिकरण को मजबूती देते हुए सरकार ने महतारी वंदन योजना के तहत अब तक 70 लाख महिलाओं को 14 हजार करोड़ रुपये वितरित किए जाने की जानकारी दी। नए बजट में इस योजना के लिए 8,200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में 5 नई आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए 42 करोड़, आयुष्मान योजना के लिए 1,500 करोड़ और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लिए 2,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। दवाओं की गुणवत्ता जांच हेतु 25 करोड़ रुपये की लागत से लैब स्थापित की जाएगी। रायपुर में नया होम्योपैथी कॉलेज भी खोला जाएगा मेडिकल कॉलेज के लिए 50 करोड़ रुपये और विशेषज्ञ डॉक्टरों की भर्ती की भी घोषणा की गई है। भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सौरभ जायसवाल ने कहा कि विष्णुदेव साय सरकार का यह तीसरा जनकल्याणकारी बजट विकास कि ओर प्रगति को आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त होगा। यह जानकारी जिला मीडिया प्रभारी जयंत शर्मा ने दी।

बेरोजगारों के लिए एक सुनहरा मौका

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे : 12 स्टेशनों के लिए 'स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट' की भर्ती शुरू

नरेन्द्र डाकलिया / नागपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल ने विभिन्न स्टेशनों पर अनारक्षित और सामान्य टिकटों की बिक्री के लिए 'स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट' (STBA) की नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह नियुक्ति कंप्यूटरीकृत अनारक्षित टिकटिंग प्रणाली (UTS) के माध्यम से टिकट जारी करने के लिए की जा रही है।

इन स्टेशनों के लिए होगी नियुक्ति

रेलवे प्रशासन द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, निम्नलिखित 12 स्टेशनों के लिए एजेंट नियुक्त किए जाएंगे। अर्जुनी, बालाघाट, देवलगांव, दरेकसा, गुदमा, गंगाझरी, हिरड़ामाली, कटंगी, लामटा, मुंडिकोटा, मुसरा एवं राजोली शामिल हैं।

आवेदन के लिए प्रमुख पात्रता एवं शर्तें

आयुः आवेदक की आयु कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए। शिक्षाः न्यूनतम 10वीं कक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। निवासः आवेदक उसी ब्लॉक/तहसील/मंडल का स्थायी निवासी होना चाहिए जहाँ वह स्टेशन स्थित है। चरित्र प्रमाण पत्रः चयनित उम्मीदवार को स्थानीय पुलिस स्टेशन से 'कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं' होने का प्रमाण पत्र देना होगा।

महत्वपूर्ण तिथियाँ व शुल्क

आवेदन फॉर्म की उपलब्धताः 28 फरवरी 2026 से 25 मार्च 2026 तक (सुबह 10:30 से दोपहर 03:00 बजे तक)। आवेदन की अंतिम तिथिः 25 मार्च 2026। आवेदन शुल्कः 500 (मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय से प्राप्त करने पर)। अग्रिम जमा राशि (EMD): 2,000 (डिमांड ड्राफ्ट या मनी रसीद के रूप में)।

आवेदन कैसे करें ?

इच्छुक उम्मीदवार निर्धारित आवेदन पत्र को भरकर, सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ एक मुहरबंद लिफाफे में भरकर मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), द.पू.म. रेलवे, नागपुर के कार्यालय में रखे बॉक्स में डाल सकते हैं। लिफाफे पर स्पष्ट रूप से स्टेशन का नाम, अपना नाम, पता और मोबाइल नंबर लिखना अनिवार्य है। प्राप्त आवेदनों को 25 मार्च 2026 को दोपहर 15 :30 बजे खोला जाएगा। चयन प्रक्रिया 'न्यूनतम कमीशन' के आधार पर की जाएगी।

नौकरी लगाने के नाम पर ठगी, युवती सहित 2 गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जिले की छावनी थाना पुलिस ने रेलवे में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 7 लाख रुपए ठगने वाले 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी मध्य प्रदेश के रीवा में छिपे हुए थे। पुलिस टीम ने वहां दबिश देकर उन्हें पकड़ा और उन्हें भिलाई लाया। पूछताछ में दोनों ने ठगी की बात स्वीकार कर ली।

मिली जानकारी के अनुसार प्रगति नगर कैंप-1 भिलाई निवासी सरोज पटेल (43) ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि पायल पांडे और सिद्धमन उर्फ लाल पांडे ने उनके बेटे पीयूष को रेलवे में पक्की नौकरी दिलाने का भरोसा दिलाया था। आरोपियों ने दावा किया था कि उनके रेलवे विभाग में अच्छे संपर्क हैं और वे पक्की नौकरी लगवा देंगे। पीड़ित परिवार ने भरोसा कर अलग-अलग समय पर कुल 7 लाख रुपए आरोपियों को दे दिए। काफी समय बीतने के बाद भी जब नौकरी नहीं लगी तो परिवार को शक हुआ। पैसे वापस मांगने पर आरोपी टालमटोल करते रहे और बाद में संपर्क भी बंद कर दिया। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस में शिकायत की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज किया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि दोनों आरोपी रीवा में मौजूद हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम रीवा पहुंची और घेराबंदी कर दोनों को हिरासत में लिया। तलाशी में नगद, लेन-देन से जुड़े दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी पहले भी नौकरी के नाम पर ठगी कर चुके हैं या नहीं। अगर अन्य पीड़ित सामने आते हैं तो नई धाराएं जोड़ी जा सकती हैं। फिलहाल, पुलिस मामले में आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

वाहन हादसे का शिकार, फिर लगी आग, मचा हड़कंप

भिलाई। जिले के भिलाई-3 क्षेत्र में बीती रात करीब 2.20 बजे एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। रायपुर की ओर जा रही बारूद से भरी ट्रक क्रमांक TS 05 UB 2355 अनियंत्रित होकर ट्रांसफार्मर से टकरा गई। टक्कर के बाद ट्रक सर्विस रोड पर उतर गई और उसके केबिन में आग लग गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस कंट्रोल रूम को इसकी सूचना दी। सुरक्षा के लिहाज से अग्निशमन कार्यालय से दो दमकल वाहन मौके के लिए रवाना किए गए। दमकल कर्मियों ने पहुंचकर देखा कि ट्रक के केबिन में आग लगी हुई थी। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए टीम ने बिना समय गंवाए आग बुझाने का काम शुरू किया। जिला सेनानी एवं अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अग्निशमन कर्मियों ने बहादुरी दिखाते हुए केबिन के अंदर घुसकर आग पर काबू पाया। समय रहते आग बुझा ली गई, वरना बड़ा विस्फोट हो सकता था। ट्रांसफार्मर से टक्कर के कारण आसपास के क्षेत्र में भी खतरा बन गया था, लेकिन दमकल और पुलिस की सतकर्ता से बड़ी अनहोनी टल गई।

स्कूटर और मोटरसाइकिल चोर गिरोह चढ़ा पुलिस के हत्थे

भिलाई पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 31 वाहन बरामद, चैंबर ऑफ कॉमर्स ने जताया आभार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के इस्पात भवन पार्किंग सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों से हुई स्कूटर व मोटरसाइकिल चोरी के प्रकरणों में भिलाई पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने संगठित चोरी गिरोह पर कार्रवाई करते हुए कुल 31 दोपहिया वाहन बरामद किए हैं और गिरोह के सदस्यों की धर-पकड़ सुनिश्चित की है।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर भिलाई स्टील सिटी चैंबर ऑफ कॉमर्स ने पुलिस विभाग का आभार व्यक्त करते हुए इसे शहर की सुरक्षा व्यवस्था के लिए मील का पत्थर बताया है। चैंबर ने कहा कि यह सफलता वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के कुशल मार्गदर्शन में संभव हुई है। चैंबर ने इस कार्रवाई के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण राठौर, नगर पुलिस अधीक्षक (भिलाई शहर) सत्य प्रकाश तिवारी, शहर क्राइम विभाग का नेतृत्व करने वाले प्रमुख पुलिस अधिकारियों तथा स्थानीय थाना प्रभारियों की सेवाओं की भी सराहना की।

शहर को मिला सुरक्षा का नया आधार

चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा-निर्देशन में पुलिस टीमों ने जिस मेहनत, तत्परता और समर्पण के साथ कार्रवाई की है, उससे भिलाई को सुरक्षा का नया मजबूत आधार मिला है। शहर की जनता और व्यापार जगत ने यह महसूस किया है कि स्थानीय पुलिस ने अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाया है।

मिली बधाई व शुभकामनाएं

भिलाई स्टील सिटी चैंबर ऑफ कॉमर्स ने पुलिस विभाग की इस बड़ी कामयाबी पर हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए विश्वास जताया कि आगे भी इसी तरह की सख्त और प्रभावी कार्रवाईयों से शहर में अपराध नियंत्रण और नागरिकों का भरोसा और मजबूत होगा।

साई मंदिर में चोरी : गार्ड को बंधक बनाकर चांदी के आभूषण ले उड़े चोर, सीसीटीवी-डीवीआर गायब

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दुर्ग जिले के भिलाई नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सेक्टर-6 स्थित साई मंदिर में अज्ञात चोरों ने पीछे के रास्ते से मंदिर में प्रवेश किया और गार्ड के साथ मारपीट कर उसके हाथ पैर बांध दिए। इसके बाद मंदिर में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर मंदिर से चांदी के आभूषण और सीसीटीवी का डीवीआर चोरी कर फरार हो गए। पुलिस अज्ञात आरोपियों की तलाश में जुटी है।

मंदिर से चांदी का मुकुट व छत्र ले गए चोर

बुधवार और गुरुवार की दरम्यानी रात अज्ञात चोरों ने सेक्टर 6 साई बाबा मंदिर में वारदात को अंजाम दिया। चोर पीछे के रास्ते से स्कार्फ बांधकर मंदिर में घुसे। पहले गार्ड के साथ मारपीट कर उसे बंधक बनाया। मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों के केबल काट दिए और साई बाबा की प्रतिमा पर लगे चांदी के आभूषण चोरी कर लिए।

गार्ड को बांधकर बनाकर मंदिर में चोरी

चोरों ने सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर भी अपने साथ ले लिया। सुबह चोरी की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक टीम को बुलाया। क्राइम ब्रांच की टीम ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले और लोगों से पूछताछ की। पुलिस अज्ञात आरोपियों की तलाश में जुटी है।

भिलाई नगर सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और गार्ड से पूछताछ की जा रही है। फुटेज में 3 से 4 अज्ञात चोर वारदात को अंजाम देते नजर आए हैं। उनकी पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

सम्मान — आईजी रामगोपाल गर्ग बोले-'आम जनता भी पुलिस का हिस्सा, सतकर्ता ही सबसे बड़ी सुरक्षा'

बिलासपुर में सराफा सुरक्षा पर बड़ा मंथन, लूट कांड के बाद पुलिस-व्यापारी समन्वय मजबूत

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

राजकिशोरनगर स्थित महालक्ष्मी ज्वेलर्स में हुई बड़ी लूट की घटना और उसके बाद सीपत क्षेत्र में सामने आई आपराधिक वारदातों को गंभीरता से लेते हुए बिलासपुर पुलिस और सराफा व्यापारियों के बीच आज व्यापक सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह बैठक बिलासा गुड़ी स्थित चेतना हाल में एसएसपी रजनेश सिंह की अध्यक्षता में हुई, जिसमें जिले भर के सराफा व्यापारी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

बैठक से पूर्व प्रदेश सराफा संघ के अध्यक्ष कमल सोनी के नेतृत्व में महालक्ष्मी ज्वेलर्स लूट कांड के अंतरराज्यीय गिरोह को मात्र 24 घंटे के भीतर पकड़ने वाली पुलिस टीम का भव्य सम्मान किया गया। इस अवसर पर आईजी रामगोपाल गर्ग, एसएसपी रजनेश सिंह, एडिशनल एसपी पंकज पटेल सहित 'ऑपरेशन गोल्ड' में शामिल 11 सदस्यीय टीम को शॉल और मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत में प्रदेश अध्यक्ष कमल सोनी ने बिलासपुर पुलिस की कार्यशैली की खुलकर सराहना करते हुए कहा कि जिले की अब तक की सबसे बड़ी लूट की घटना को जिस तत्परता, समन्वय और टीमवर्क के साथ 24 घंटे के भीतर सुलझाया गया, वह बिलासपुर पुलिस के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि अपराधियों की त्वरित गिरफ्तारी और लूटे गए सामान की सुरक्षित बरामदगी ने व्यापारियों में विश्वास बहाल किया है और इसके लिए बिलासपुर पुलिस जितनी प्रशंसा की जाए, कम है। इस अभियान में उत्तर प्रदेश पुलिस के सहयोग को भी उन्होंने सराहनीय बताया।

इस अवसर पर आईजी रामगोपाल गर्ग ने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए मौके पर पहुंचकर स्थिति का सूक्ष्म आकलन किया और एडिशनल एसपी पंकज पटेल, सीएसपी निमितेश सिंह सहित पूरी टीम को अलर्ट मोड में अपराधियों तक पहुंचने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि टीम की कड़ी मेहनत और रणनीतिक कार्रवाई का ही परिणाम रहा कि 24 घंटे के भीतर गिरोह पकड़ा गया। आईजी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आम जनता भी पुलिस का अहम हिस्सा है और सभी नागरिकों को अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझते हुए संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को देनी चाहिए।

बैठक के दौरान एसएसपी रजनेश सिंह ने सराफा व्यापारियों को सुरक्षा से जुड़े विस्तृत मापदंडों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हालिया लूट की घटनाएं चुनौतीपूर्ण थीं, लेकिन टीम के समन्वय से अपराधियों को पकड़ा गया। भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए सराफा व्यापारियों को विशेष दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने सभी व्यापारियों को दुकानों में उच्च गुणवत्ता के सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाने, नियमित रूप से सोने-चांदी के आभूषण इधर-उधर ले जाने से बचने और दुकानों में ही सुरक्षित भंडारण की मजबूत व्यवस्था सुनिश्चित करने की सलाह दी।

प्रदेश अध्यक्ष कमल सोनी ने बैठक के समापन पर कहा कि एसएसपी द्वारा दिए गए सभी सुरक्षा निर्देशों का सराफा व्यापारी पूरी निष्ठा से पालन करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि आगामी अप्रैल माह में सराफा संघ के सदस्यों का नवीनीकरण किया जाएगा और जो व्यापारी सुरक्षा निर्देशों का पालन नहीं करेंगे, उनकी सदस्यता नवीनीकरण नहीं की जाएगी। यह बैठक न केवल हालिया घटनाओं के बाद सुरक्षा रणनीति को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है, बल्कि पुलिस और व्यापारियों के बीच आपसी विश्वास और सहयोग को भी नई मजबूती प्रदान करने वाली साबित हुई।

ये स्पेशल 11 जो गए थे मिर्जापुर

उप. पुलिस अधीक्षक (सिविल लाइन) निमितेश सिंह परिहार, निरीक्षक किशोर केवट थाना प्रभारी सिरगिट्टी, स.उ.नि. शैलेन्द्र सिंह थाना सरकंडा, प्रधान आरक्षक क्रमांक 277 बलबीर सिंह थाना सरकंडा, प्रधान आरक्षक 303 अतीश पारीक अउउव बिलासपुर, आरक्षक क्रमांक 1148 सरफराज खान थाना तोरवा, आरक्षक क्रमांक 1124 आशीष राठौर थाना सिविल लाइन, आरक्षक क्रमांक 487 वीरेंद्र गंधर्व थाना पचपेड़ी, आरक्षक क्रमांक 1484 सत्य पाटले थाना सरकंडा, आरक्षक क्रमांक 1170 वीरेंद्र साहू थाना सरकंडा और खोहाली केवेंट शामिल हैं।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।